www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 119 | जौनपुर शनिवार, 13 दिसम्बर 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

लूथरा ब्रदर्स ने भारत लौटकर जांच में सहयोग का भरोसा दिया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। गोवा के अर्पोरा में स्थित बिर्च बाय रोमेओ लेन नाइटक्लब में 6 दिसंबर की रात लगी आग के मामले में लूथरा ब्रदर्स ने अपनी चुप्पी तोड़ते हुए जांच में सहयोग करने का भरोसा दिया है। बता दें कि इस हादसे में 25 लोगों की जान चली गई थी, जिसके बाद क्लब संचालक गौरव लूथरा और सौरभ लूथरा पर लापरवाही और गैर–इरादतन हत्या से जुड़े आरोप दर्ज किए गए हैं। गौरतलब है कि दोनों भाई देश छोड़कर थाईलैंड चले गए थे, जिसके चलते उन पर कानूनी प्रक्रिया से बचने के आरोप लगाए गए। हालांकि, उनकी कानूनी टीम ने दावा किया है कि उन्हें गलत तरीके से पेश किया गया है और वे कानून से भागने वालों में शामिल नहीं हैं। मौजूद जानकारी के मुताबिक, वरिष्ठ अधिवक्ता तनवीर अहमद मीर के नेतृत्व वाली लीगल टीम ने उन्हें सलाह दी थी कि वे भारत लौटकर पुलिस और न्यायिक प्रक्रिया के सामने पेश हों, जिसके बाद दोनों ने बयान जारी कर कहा कि वे 11 दिसंबर को देश लौटेंगे और जांच में पूरा सहयोग देंगे हैं। बयान में कहा गया है कि वे "कानून का सम्मान करने वाले नागरिक हैं" और उन पर लगाए गए आरोप कि वे जांच से बच रहे हैं, पूरी तरह भ्रामक हैं। उनके अनुसार, देश लौटने का निर्णय किसी कानूनी रणनीति से प्रभावित नहीं है ।

उच्चतम न्यायालय ने केंद्र से दिव्यांगजन कानून में संशोधन करने को कहा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को केंद्र से दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम में संशोधन करने पर विचार करने को कहा ताकि अपराधियों के तेजाब हमले के पीड़ितों को ''दिव्यांगजन'' की श्रेणी में शामिल किया जा सके और उन्हें कल्याणकारी उपायों का लाभ मिल सके। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने तेजाब हमले की पीड़िता शाहीन मलिक द्वारा दायर एक जनहित याचिका में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को पक्षकार बनाया है। इससे पहले पीठ ने चार दिसंबर को सभी उच्च न्यायालयों की रजिस्ट्रियों को अपने–अपने अधिकार क्षेत्र में लंबित तेजाब हमलों के मामलों का ब्योरा पेश करने का निर्देश दिया था। मलिक ने अपनी याचिका में कानून के तहत दिव्यांगजन की परिका विस्तार करने का अनुरोध किया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि तेजाब हमले के कारण आंतरिक अंगों की जानलेवा क्षति झेलने वाले पीड़ितों को पर्याप्त मुआवजा और चिकित्सा देखभाल सहित अन्य राहतें मिल सकें। केंद्र सरकार की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि सरकार कानून में बदलाव पर विचार करने को तैयार है और उन्हें खुद इस अपराध के उस पहलू की जानकारी नहीं थी। पीठ ने अपने आदेश में कहा, '' भारत सरकार याचिका में उठाए गए ।

राष्ट्रपति मुर्मू ने इम्फाल में विस्थापित लोगों से मुलाकात कर पुनर्वास का आश्वासन दिया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को मणिपुर के इम्फाल में आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों (आईडीपी) से मुलाकात की और उनसे बातचीत की । इस संवाद के दौरान राष्ट्रपति मुर्मू ने उन्हें आश्वासन दिया कि सरकार उनकी जरूरतों को पूरा करने के लिए हर समय उनके साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि सरकार मणिपुर से विस्थापित हुए लोगों के घरों और आजीविका को सुरक्षित करने के लिए काम कर रही है । राष्ट्रपति ने विस्थापितों को यह आश्वासन भी दिया कि भारत सरकार राज्य में शांति और सतत समृद्धि के वातावरण की दिशा में उनकी प्रगति को सुगम बनाने के लिए आवश्यक उपाय कर रही है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इम्फाल में कुछ आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों से मुलाकात की और उनसे की कि सरकार उनके घरों, आजीविका और उनके बच्चों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए काम कर रही

बातचीत की । उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार उनकी जरूरतों को पूरा करने के लिए हर समय उनके साथ खड़ी है। उन्होंने पुष्टि है। उन्होंने उन्हें यह भी आश्वासन दिया कि भारत सरकार शांतिपूर्ण और सतत समृद्धि के वातावरण की ओर उनकी प्रगति को सुगम बनाने के लिए आवश्यक कदम उठा रही है। उन्होंने उन्हें सद्भाव को मजबूत करने की आवश्यकता पर भी बल दिया,। राष्ट्रपति भवन ने कहा। इससे पहले, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अरुणाचल प्रदेश में हुए सड़क हादसे में मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की, जिसमें 21 निर्माण श्रमिकों के मारे जाने की आशंका है। एक पोस्ट में राष्ट्रपति मुर्मू ने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। अरुणाचल प्रदेश के अंजॉ जिले में सड़क दुर्घटना में हुई जानमाल की हानि के बारे में जानकर गहरा दुख हुआ । मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं,।

अमित शाह की भविष्यवाणी होने लगी सच कांग्रेस कार्यकर्ता पार्टी नेतृत्व से माँगने लगे हिसाब

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दो दिन पहले ही लोकसभा में अपने भाषण में कांग्रेस नेतृत्व पर तीखा वार करते हुए कहा था कि कांग्रेस पार्टी की लगातार हार का हिसाब एक दिन कांग्रेस के अपने कार्यकर्ता ही आलाकमान से मांगेगे। देखा जाये तो अमित शाह की यह भविष्यवाणी राजनीति में सिर्फ एक बयान नहीं थी, आज की स्थिति देखकर लगता है कि वह सीधे कांग्रेस के भीतर फैलते असंतोष को भांप चुके थे। हुआ भी वैसा ही। ओडिशा से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता का पत्र आ गया, जिसमें पार्टी नेतृत्व पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए गए और उसी दिन शशि थरूर कांग्रेस संसदीय दल की बैठक से अनुपस्थित रहे, मानो पार्टी के भीतर उबलता लावा अब सतह पर फूटने लगा हो। हम आपको

बता दें कि ओडिशा के पूर्व कांग्रेस विधायक मोहम्मद मुकिम ने सोनिया गांधी को पत्र लिखकर पार्टी के शीर्ष नेतृत्व पर सीधा निशाना साधा है। उन्होंने कहा है कि कांग्रेस की सौ साल पुरानी विरासत हाथ से फिसल रही है और इसका कारण है नेतृत्व में स्पष्टता की कमी, संगठनात्मक ढीलापन और जमीनी कार्यकर्ताओं की उपेक्षा। मुकिम ने मांग की है कि पार्टी की बागडोर ऐसे नेता के हाथ में दी जाए जो युवा, ऊर्जावान और प्रभावी जनसंपर्क क्षमता रखता हो। उन्होंने इस संदर्भ में प्रियंका गांधी वाड्रा का नाम प्रमुखता से उठाते हुए कहा कि पार्टी को अब नए नेतृत्व की सख्त जरूरत है।

जिला प्रशासन को बनाया जाएगा और अधिक मजबूत : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली सरकार ने राजधानी में प्रशासनिक कार्यों को अधिक कुशल, सुगम और नागरिक केंद्रित बनाने की दिशा में एक बड़ा और ऐतिहासिक निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में दिल्ली के मौजूदा 11 राजस्व जिलों का पुनर्गठन करते हुए 13 नए राजस्व

जिलों के गठन को मंजूरी प्रदान की गई। यह निर्णय शासन को सरल, पारदर्शी और समन्वित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण सुधार माना जा रहा है। मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली के प्रशासनिक ढांचे को मजबूत बनाने का यह निर्णय वर्षों से लंबित था, जिसे किसी भी सरकार ने निपटाने का प्रयास नहीं किया। हमारी सरकार ने मात्र 10 माह में इस लक्ष्य को पूरा कर दिखाया। यह प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के सुशासन के विजन को धरातल पर उतारने का एक सशक्त उदाहरण है। मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने कहा कि जिला प्रशासन किसी भी शासन का केंद्र बिंदु होता है और जनता के जीवन में सरकार की सबसे नजदीकी इकाई है।

देश के कुल कृषि उत्पादन में यूपी की हिस्सेदारी 21 प्रतिशत : सीएम योगी

बाराबंकी, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि उत्तर प्रदेश के पास देश की कुल कृषि भूमि का 11 प्रतिशत हिस्सा है लेकिन यूपी देश के कुल कृषि उत्पादन में 21 फीसदी योगदान देता है। यह बताता है कि प्रदेश का किसान मेहनती भी है और नवाचार की क्षमताओं से भी भरपूर है। सरकार प्रदेश के 28 जिलों में 4000 करोड़ की लागत से खेती में सुधार और आधुनिक तकनीक को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रयास कर रही है। सीएम योगी शुक्रवार को हरख ब्लॉक के दौलतपुर गांव में पद्मश्री और प्रगतिशील किसान रामसरन

वर्मा के फार्म पर आयोजित किसान सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने दौलतपुर में किसान पाठशाला और प्रगतिशील किसान सम्मेलन का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि भाजपा की डबल इंजन सरकार ने किसानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से तमाम योजनाएं चलाई हैं। न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि, पीएम किसान सम्मान निधि, सिंचाई सुविधाओं का विस्तार और कृषि यंत्रों पर सब्सिडी ने बड़े स्तर पर किसानों को राहत दी है। सीएम योगी ने कहा कि परंपरागत खेती के साथ–साथ यदि किसान उच्च मूल्य वाली फसलों, सब्जियों, फल उत्पादन और प्राकृतिक खेती की दिशा में आगे बढ़ें तो उनकी आमदनी कई गुना बढ़ सकती है। उन्होंने पद्मश्री रामसरन वर्मा का उदाहरण देते हुए कहा कि वैज्ञानिक तकनीकों और नवाचार को अपनाने से सीमित भूमि पर भी शानदार उत्पादन संभव है। सरकार किसानों को इसी दिशा में प्रोत्साहित कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसान देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और उनकी प्रगति के बिना समृद्ध भारत की कल्पना नहीं की जा सकती।

संसद में तमिलनाडु सरकार पर बरसे अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। तमिलनाडु के मदुरै जिले में तिरुपरमकुंद्रम पहाड़ी पर स्थित अरुलमिगु सुब्रमण्य स्वामी मंदिर में कार्तिगई दीपम त्योहार को लेकर उठा बवाल अब बढ़ता जा रहा है। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने शुक्रवार को संसद में इस मुद्दे पर तमिलनाडु सरकार को घेरा। सांसद ठाकुर ने कहा, श्भारत का एक राज्य सनातन धर्म–विरोध का चेहरा बन गया है। इस राज्य के मंत्रियों ने सनातन धर्म के खिलाफ बयान दिए हैं।श अनुराग ठाकुर ने आरोप लगाते हुए कहा कि जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की तो तमिलनाडु के मंदिरों में इसके प्रसारण पर रोक लगा दी गई थी। भाजपा सांसद ने दावा किया कि इस दौरान मंदिरों के दरवाजे बंद

कर दिए गए थे। उन्होंने कहा कि इसके खिलाफ लोगों को कोर्ट का रुख करने के लिए मजबूर किया गया। उन्होंने कहा कि हाल ही में मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै पीठ ने तमिलनाडु सरकार को कड़ी फटकार लगाई है। ठाकुर ने कहा कि मदुरै पीठ ने कार्तिगई दीपम को लेकर जारी निर्देशों को अधिकारियों की ओर से जानबूझकर पालन न करने के आरोप लगाए। उन्होंने कहा, श्हिंदू श्रद्धालुओं पर लाठियां बरसाई गईं। कोर्ट के आदेश के बावजूद उन्हें महादीपम जलाने के अनुमति नहीं दी गई। मेरा सवाल है कि पुलिस ने हाईकोर्ट के आदेश क्यों नहीं माने? हिंदुओं को क्यों रोका गया?श अनुराग ठाकुर ने कहा कि तमिलनाडु सरकार की ओर से हाईकोर्ट के निर्देश की अवमानना की गई। उन्होंने कहा कि राम मंदिर का मामला हो या कार्तिगई दीपम का तमिलनाडु सरकार की ओर से हिंदू श्रद्धालुओं को क्यों रोका जाता है? मद्रास हाईकोर्ट के न्यायाधीश के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पर तमिलनाडु भाजपा के मुख्य प्रवक्ता नारायणन तिरुपति ने कहा, श्उन पर एक विशेष समुदाय का पक्ष लेने का आरोप है, जो बिल्कुल गलत है। यह बेहद चौंकाने वाली बात है कि एक सरकार ऐसा कर रही है, क्योंकि यह द्रविड़ मॉडल वाली सरकार अल्पसंख्यक वोटों को लुभाने की कोशिश कर रही है। डीएमके की मानसिकता हिंदू–विरोधी और ब्राह्मण–विरोधी है। डीएमके और उसके सहयोगी तमिलनाडु में सांप्रदायिक तनाव भड़काने की कोशिश कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री सिद्धरमैया की आधिकारिक हवाई यात्रा पर कर्नाटक सरकार ने 47 करोड़ रुपये से अधिक किए खर्च

कर्नाटक, (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया की मई 2023 से नवंबर 2025 के बीच विशेष उड़ानों, विमानों और हेलीकॉप्टर का उपयोग करके की गई हवाई यात्रा पर राज्य सरकार ने 47 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किया। वित्त मंत्रालय का प्रभार भी संभाल रहे सिद्धरमैया ने विधान परिषद में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) एन. रवि कुमार के एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी प्रदान की। उन्होंने स्पष्ट किया कि विशेष उड़ानें, विमान और हेलीकॉप्टर केवल आधिकारिक दौरों के लिए ही इस्तेमाल किए जाते हैं। मुख्यमंत्री के अनुसार, कर्नाटक सार्वजनिक खरीद पारदर्शिता अधिनियम की धारा 4(जी) के तहत दी गई छूट राज्यपाल, मुख्यमंत्री और मुख्य न्यायाधीश की आधिकारिक यात्रा के लिए विशेष विमानों और हेलीकॉप्टर के उपयोग की अनुमति देती है। पिछले ढाई वर्षों में सिद्धरमैया ने

मैसूरु की 22 बार हवाई यात्रा की है, जिसके लिए उन्होंने बेंगलुरु–मैसूरु मार्ग पर पांच करोड़ रुपये से अधिक का यात्रा व्यय किया है। बेंगलुरु–मैसूरु सड़क मार्ग से यात्रा करने में लगभग ढाई घंटे लगते हैं। उनकी अन्य यात्राओं में नयी दिल्ली, हैदराबाद और चेन्नई का सफर शामिल थे।

लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने वायु प्रदूषण पर संसद में चर्चा की मांग की

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने लोकसभा सदन में दिल्ली के वायु प्रदूषण मुद्दा उठाया। अपनी बात रखते हुए उन्होंने कहा कि मोदी सरकार वायु प्रदूषण को लेकर प्लान बनाए, विपक्ष सरकार को पूरा सहयोग करेगा। मुद्दे पर सदन में चर्चा कीजिए, लेकिन आरोप–प्रत्यारोप करने और हमने–आपने क्या किया, यह बताने की बजाय वायु प्रदूषण के खिलाफ क्या करने वाले हैं, इस पर बात करें। प्रदूषण के खिलाफ एक्शन प्लान पर विपक्ष पूरा सहयोग करेगा। कांग्रेस सांसद ने कहा, श्हमारे अधिकांश बड़े शहर जहरीली हवा की चादर में लिपटे हुए हैं। लाखों बच्चे फेफड़ों की बीमारियों से ग्रस्त हो रहे हैं। उनका भविष्य बर्बाद हो रहा है। लोग कैंसर से पीड़ित हो रहे हैं। बुजुर्गों को सांस लेने में तकलीफ हो रही है। यह एक महत्वपूर्ण मुद्दा है और मुझे पूरा विश्वास है कि इस पर सरकार और हम सभी के बीच पूर्ण सहमति होगी। यह कोई वैचारिक मुद्दा नहीं है। इस सदन में सभी इस बात से सहमत होंगे कि वायु प्रदूषण और इससे हमारे लोगों को हो रहे नुकसान पर हम सभी सहयोग करना चाहेंगे। राहुल गांधी ने लोकसभा में कहा कि पॉल्यूशन का कोई रास्ता निकाला जाना चाहिए। एक दूसरे पर आरोप लगाने की बजाय हम कोई समाधान ढूंढे। सरकार और विपक्ष बैठकर इस मुद्दे पर चर्चा करें।उन्होंने मांग की कि केंद्र सरकार राज्यों के साथ मिलकर हर शहर में प्रदूषण से निपटने के लिए अलग–अलग प्लान बनाए। उन्होंने प्रधानमंत्री से इसके लिए पहल करने की अपील की। उन्होंने कहा कि संसद में प्रदूषण के मुद्दे पर चर्चा होनी चाहिए, जिसमें विपक्ष और सत्ता पक्ष एक दूसरे पर आरोप लगाने के बजाय साथ मिलकर देशहित में एक ठोस प्लान को अंतिम रूप दें।राहुल गांधी ने कहा कि यह ऐसा मुद्दा है जहां आप हमें अब्यूज करें और हम आपको अब्यूज करें३ इसका कोई फायदा नहीं। देश को मैसेज जाना चाहिए कि हम साथ मिलकर समाधान ढूंढ रहे हैं। उन्होंने जोर दिया कि संसद में डीटेल चर्चा हो, हर शहर के लिए स्पष्ट प्लान बने, प्रधानमंत्री इस विषय पर खुद जानकारी दें।

तमिलनाडु में सांप्रदायिक तनाव पैदा करने की कोशिश कर रहे : मोहन भागवत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस ने गुरुवार को आरएसएस पर तमिलनाडु में सांप्रदायिक तनाव पैदा करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। कांग्रेस ने कहा कि दक्षिणी राज्य में हिंदू मंदिरों की सदियों पुरानी परंपराओं में किसी भी प्रकार की दखलअंदाजी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कांग्रेस की यह प्रतिक्रिया राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत के उस बयान के एक दिन बाद आई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि तमिलनाडु में तिरुपरमकुंद्रम मुद्दे को हिंदुओं की ताकत के आधार पर राज्य में ही हल किया जा सकता है। आरएसएस चीफ भागवत ने बुधवार को तिरुचिरापल्ली में कहा था, श्तिरुपरमकुंद्रम के मुद्दे को अगर आगे बढ़ाने की जरूरत पड़ी तो ऐसा किया जाएगा। यह मामला फिलहाल अदालती सुनवाई

के अधीन है। इसे सुलझने दीजिए। उनकी टिप्पणियों पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कांग्रेस नेता मणिक्कम टैगोर ने कहा, श्हम सभी जानते हैं कि मोहन भगवत तमिलनाडु में सांप्रदायिक तनाव पैदा करना चाहते हैं, क्योंकि आरएसएस को सांप्रदायिक तनाव पैदा करना, घरों, गांवों, सड़कों, कस्बों और शहरों को जलाना पसंद है।श कांग्रेस सांसद ने कहा, श्आरएसएस का मुख्य काम सांप्रदायिक विभाजन फैलाना है। यह तमिलनाडु में भी यही करना चाहता है। मुझे उम्मीद है कि तमिलनाडु हिंसा के विचार को नकार देगा। वहीं, कांग्रेस नेता कार्ति चिदंबरम ने कहा कि भाजपा और उसके सहयोगी तमिलनाडु को नहीं समझते हैं। उन्होंने कहा, श्तमिलनाडु और राज्य के लोग शायद सभी लोगों में सबसे अधिक हिंदू हैं, जिनमें मैं भी शामिल हूं। हम मंदिर जाने वाले, रूढ़िवादी और रीति–रिवाजों का पालन करने वाले लोग हैं। ये मुद्दे तभी उठते हैं जब बाहरी लोग हमारी प्रथाओं में हस्तक्षेप करते हैं और ऐसी प्रथाएं थोपने की कोशिश करते हैं जो हमारे रीति–रिवाजों का हिस्सा नहीं हैं। चिदंबरम ने कहा, श्तिरुप्पारंगुनराम मंदिर के आसपास विभिन्न धर्मों के लोग बड़ी सद्भाव से रहते आए हैं। तिरुप्पारंगुनराम में हमेशा से चली आ रही परंपराएं आगे भी जारी रहेंगी। बाहरी एजेंसियों या संगठनों की कोई भी दखलअंदाजी नामंजूर है। तिरुचिरापल्ली में आयोजित श्संघ की 100 साल की यात्रा– नए क्षितिजश कार्यक्रम में एक प्रश्न के उत्तर में भागवत ने कहा, श्मुझे लगता है कि तमिलनाडु में हिंदुओं की जागृति वांछित नतीजा लाने के लिए काफी है।

संपादकीय

भारत और रूस की दोस्ती असीमित

कुल मिला कर द्विपक्षीय संबंध रूस के पक्ष में बेहद झुका हुआ है। उसका क्या समाधान पुतिन पेश करेंगे? उधर रूस और चीन के हित एक दूसरे के संपूरक बने हुए हैं, जबकि यह पहलू भारत के नजरिए एक समस्या है। नई दिल्ली आने से ठीक पहले व्लादीमीर पुतिन ने भारत–रूस के संबंध के बारे में अपना टेम्पलेट सामने रखा है। उन्होंने संदेश दिया कि वे भारत से वैसी ही श्असीमित दोस्तीश्च चाहते हैं, जैसी उन्होंने चीन के स्थापित की है। पुतिन ने कहा– श्चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ हमने आर्थिक मुद्दों पर ठोस वार्ता कायम की है। भारत यात्रा के दौरान हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी इन मुद्दों पर विस्तार से बातचीत करेंगे। इनमें रूसी बाजार में भारतीय उत्पादों का आयात बढ़ाना भी शामिल है।श्च यही संदेश देने के लिए क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने भारतीय पत्रकारों से ऑनलाइन बातचीत की। उन्होंने कहा– श्हमारा चीन के साथ असीमित सहयोग बना है। भारत के बारे में भी हमारा वही रुख है। रूस वहां तक जाने को राजी है, जहां तक भारत तैयार हो।श्च पेस्कोव ने संकेतों में यह भी कहा कि भारत को रूस से अपने संबंध तय करने में अमेरिकी हस्तक्षेप का ख्याल नहीं करना चाहिए। उन्होंने एस–400 मिसाइल रक्षा प्रणाली और सुखोई–57 लड़ाकू विमान भारत को बेचने की पेशकश की। उम्मीद जताई भारत रूस से कच्चा तेल खरीदता रहेगा। मगर भारत में चिंता यह है कि ये रूसी मंशाएं पूरी हुईं, तो उसका खराब असर अमेरिका से रिश्तों पर पड़ेगा। फिर बढ़ते व्यापार घाटे की भारत की अपनी चिंताएं भी हैं। भारत इस समय रूस को जितना निर्यात करता है, उससे लगभग 17 गुना ज्यादा आयात कर रहा है। इसके अलावा अप्रैल 2000 से सितंबर 2025 तक भारत में प्रत्यक्ष रूसी निवेश महज 1.33 बिलियन डॉलर का हुआ, जबकि रूस में 12.8 बिलियन डॉलर का भारतीय निवेश हुआ है। तो कुल मिला कर द्विपक्षीय संबंध रूस के पक्ष में बेहद झुका हुआ है। उसका क्या समाधान पुतिन पेश करेंगे? दरअसल, रूस और चीन के हित संपूरक बने हुए हैं, जबकि यह पहलू भारत के नजरिए एक समस्या है। इस कारण भारत– चीन विवाद में रूस निष्पक्ष रुख लेने की स्थिति में नहीं रह गया है। ये सारे वो पेच हैं, जिन्हें खोले बिना भारत और रूस की दोस्ती शायद असीमित रूप ना ले पाए।

संसद के लिए काला दिन

बुधवार को भारत के संसदीय इतिहास में एक और काला अध्याय उस समय जुड़ गया, जब केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने चुनाव सुधारों पर सरकार की तरफ से पक्ष रखते हुए एक अपशब्द के साथ चुनाव आयोग को जोड़ा। हालांकि श्री शाह के बयान से उस शब्द को हटा दिया गया है। मीडिया भी इसकी चर्चा नहीं कर रहा, क्योंकि मामला भाजपा की साख का है। लेकिन इस मामले को न हल्के में लिया जाना चाहिए, न इसे उपेक्षित करना चाहिए। क्योंकि यहां सवाल संसद की मर्यादा का है।भारत की संसद पर आतंकी हमला, सदन के भीतर नोटों की गड्डी लहराना, बसपा के अल्पसंख्यक सांसद दानिश अली को भाजपा के सांसद रमेश बिधूड़ी का अपशब्द कहना और भाजपा के बाकी सांसदों का उस पर हंसना, नए संसद भवन में दो युवकों द्वारा रंगीन धुआं छोड़ना, ऐसे कुछ प्रकरण हैं, जो गौरवशाली संसदीय इतिहास में दुरूस्वप्न की तरह हैं। इन घटनाओं को मिटाया नहीं जा सकता, लेकिन इनसे सबक लेते हुए आईंदा इन्हें घटने से रोका जा सकता है। लेकिन अफसोस है कि सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी इसमें न केवल नाकाम रही, बल्कि इस बार तो संसद के अपमान के लिए खुद गृहमंत्री ही जिम्मेदार हैं। अमित शाह ने गुजरात की राजनीति से आगे बढ़कर दिल्ली तक का सफर काफी जल्दी तय किया। नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद अमित शाह का सियासी कद भी बढ़ा। 2014 में भाजपा का अध्यक्ष पद संभालने के बाद वे 2019 में देश के गृहमंत्री बने और अब इस पद पर सबसे लंबे वक्त बनने वाले व्यक्ति बन चुके हैं। मोदी–शाह की जोड़ी ने भाजपा को सबसे ताकतवर पार्टी बना दिया है। मोदी का चेहरा और शाह की रणनीति भाजपा की जीत का असली कारक बताई जाती है। अमित शाह को तो आधुनिक चाणक्य तक कहा जाता है। हम नहीं जानते कि इस तरह की तुलना मीडिया के प्रचार की वजह से हुई या चापलूसी से, लेकिन कम से कम चाणक्य से गलती की उम्मीद तो न चाटुकारों को होगी, न भाजपा के कार्यकर्ताओं को। इस उम्मीद पर बुधवार को पानी फिर गया, जब विपक्ष को घेरने में अमित शाह ने लोकसभा के भीतर अपशब्द का प्रयोग किया।राहुल गांधी, गौरव गोगोई जैसे सांसदों ने इसका प्रतिवाद किया तो संभवतरू श्री शाह को अपनी गलती समझ आई और उन्होंने आसंदी से कहा कि मैंने अगर कुछ गलत कहा हो तो उसे हटा दीजिए। अच्छी बात है कि श्री शाह ने खुद ही आसंदी से अपने शब्दों को हटाने कह दिया। लेकिन इसमें भी एक किस्म का अहंकार नजर आया, अपनी गलती पर शर्मिंदगी कहीं नहीं दिखी। अगर अमित शाह जानते हैं कि उनकी पार्टी में उन्हें चाणक्य माना जाता है, या उन्हें यह अहसास है कि वे सरकार में कितने शक्तिशाली हैं और गृहमंत्री के तौर पर कितनी अहम जिम्मेदारी निभा रहे हैं, तब उनसे ऐसी चूक नहीं होनी चाहिए थी। चुनाव सुधार जैसे महत्वपूर्ण विषय पर बोलते हुए एक–एक शब्द सोच–समझ कर इस्तेमाल करना चाहिए था। लेकिन भाजपा तो संसद को भी चुनावी मंच की तरह ही उपयोग में लाती है।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के लिए रेनकोट पहन कर नहाने जैसी निम्नस्तरीय टिप्पणी कर चुके हैं, राज्यसभा सांसद रेणुका चौधरी की हंसी की तुलना शूर्पणखा की हंसी से कर चुके हैं। सदन में खड़े होकर बेबुनियाद बातें करना या विपक्ष पर मिथ्या आरोप गढ़ना भी भाजपा की आम रणनीति बन चुकी है। भाजपा को लगता होगा कि इस रणनीति में मर्यादा और नैतिकता के लिए जगह बनाई जाए तो फिर उसका असर कम हो जाएगा। संभवतरू इसलिए गंभीर विषयों पर भी हल्केपन के साथ चर्चा की जाती है, जिसमें अपशब्द शामिल हो सकते हैं, इसकी परवाह भी नहीं की जाती। अमित शाह की टिप्पणी के बाद कई सांसद चिंता जतला रहे हैं कि संसद में ये दिन भी देखना पड़ेगा, ऐसी कल्पना नहीं की थी। यह चिंता वाजिब है और यहीं विपक्ष की जिम्मेदारी पहले से अधिक बढ़ जाती है कि अब वो भाजपा को संसद को अपने राजनैतिक हितों का जरिया बनाने से रोके। देश के मीडिया को भी इस बारे में गंभीरता से सोचना होगा। भाजपा के एजेंडे के अनुरूप टीवी चौनलों पर जब से हिंदू–मुस्लिम बहसों को बढ़ावा दिया गया, स्टूडियो का माहौल बिगड़ चुका है। अब केवल चीखने–चिल्लाने कर ये बहसें सीमित नहीं हैं, बल्कि खुलकर अपशब्दों का इस्तेमाल और हाथापाई तक होने लगी है। समाज पर ऐसी बहसें किस तरह का असर करती हैं, पहले इसकी चिंता थी। अब यही चिंता संसद की कार्रवाई पर होने लगी है। इसलिए अमित शाह द्वारा अपशब्द के इस्तेमाल पर गहन–गंभीर विमर्श होने चाहिए कि आखिर ऐसी स्थिति क्यों बनी और इसका निराकरण कैसे हो सकता है।फर्ज कीजिए कि अगर विपक्ष के किसी सांसद की तरफ से ऐसा होता तो भाजपा इस मामले पर कितना बवाल खड़ा करती। राहुल गांधी ने एक बार अपनी बहन प्रियंका गांधी के गाल स्नेह से खींच दिए थे, तो ओम बिड़ला ने फौरन उन्हें टोकते हुए सदन की मर्यादा बनाए रखने की नसीहत दी थी। क्या ऐसी ही नसीहत अमित शाह को भी फौरन नहीं मिलनी चाहिए थी। संसद में पक्ष–विपक्ष के बीच तीखी बहसें हों, एक–दूसरे की कमियों को भरपूर गिनाया जाए, आरोप–प्रत्यारोप लगाए जाएं, लेकिन इन सबके बीच संसद की गरिमा हर हाल में कायम रहे, ।

प्रशासनिक तंत्र की तय हो जवाबदेही

उमेश

उत्तर भारत की सर्दियां गोवा के लिए वरदान होती हैं। अरब सागर तटीय इस राज्य में सर्दियों में उत्तर भारतीय सैलानियों की आवक बढ़ जाती है। लेकिन हो सकता है कि इस बार यह आवक कम हो। गोवा में साल के आखिरी दिनों और अगले साल की छुट्टियां मनाने का मन बना चुके सैलानियों में इस बार हिचक हो सकती है। वजह है, यहां के मशहूर नाइट क्लब 'बर्क बाय रोमियो लेन' में लगी आग, जिसमें पांच सैलानी समेत पच्चीस लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है। दुर्घटनाएं कह कर नहीं आतीं, लेकिन उनकी रोकथाम की मुकम्मल तैयारी से शायद ही किसी को इनकार हो। लेकिन समंदर के किनारे से छनकर आती रोशनियों के बीच स्थित गोवा के इस नाइट क्लब में लगी आग और उसमें गई निर्दोष जान ने सबसे बड़ा सवाल उस प्रशासनिक तंत्र पर लगाया है, जिस पर इस हादसे की रोकथाम की जिम्मेदारी थी। बताया जा रहा है कि अनधिकृत ढंग से इस नाइट क्लब का निर्माण किया गया था। इस अनधिकृत निर्माण को तोड़ने के लिए गोवा की संबंधित पंचायत ने निर्देश भी दे रखा है। आग लगने की दशा में उसके रोकथाम और बचाव को लेकर इस नाइट क्लब में कोई मुकम्मल इंतजाम नहीं था। इतना ही नहीं, यह क्लब बेहद संकरी जगह पर है, जहां आसानी से जाना संभव नहीं है। भारत में एक चलन स्वीकार कर लिया गया है। नियमावलियां तो खूब बनाई गई हैं। लेकिन वे सिर्फ दस्तावेजों के लिए हैं। जिन्हें इन नियमावलियों को लागू करने की जिम्मेदारी है, जिन पर इन नियमावलियों को तोड़ने वालों को उचित कानूनी प्रक्रिया के तहत दंडित करने–कराने की जवाबदेही है, अक्सर वे इससे आंखें मूंद लेते हैं। कई बार नियम तोड़ने वालों से संबंध पलकों को मोड़ने का जरिया बनते हैं तो कई बार रिश्वत की रकम का बोझ पलकों को झुकने के लिए मजूबूर कर देता है। भारत के प्रशासनिक तंत्र का बड़ा हिस्सा इसी तरह की मानसिकता में काम करता है। वह दुर्घटनाओं और हादसों का इंतजार करता है। वह तभी जागता है, जब हादसे हो जाते हैं, उनमें मासूम जानें चली जाती हैं। तब उन्हें नियमों की तेजी से याद आने लगती है। प्रशासनिक तंत्र की बंद आंखे तब ऐसे खुल जाती हैं, जैसे भगवान शिव का तीसरा नेत्र खुलता है। तब उसे अनधिकृत निर्माण भी दिखने लगता है, तब उसे कार्रवाई की भी सूझने लगती है। कार्रवाई होती भी है। गोवा के 'बर्क बाय रोमियो लेन' क्लब के मालिकों पर भी होगी, लेकिन इसका असर कितनी देर तक रहेगा, कहना मुश्किल है। क्योंकि वक्त बीतते–बीतते कार्रवाई में ढिलाई भी शुरू हो सकती है और अगर किसी सामाजिक संस्था, किसी राजनीतिक व्यवस्था या किसी न्यायिक व्यवस्था की निगाह उस पर नहीं पड़ी तो कार्रवाई धीरे–धीरे टलती चली जाएगी, उसकी तासीर ठंडी होती जाएगी और फिर हो सकता है कि नियमों को तोड़ने वाले किसी और जगह नियम तोड़कर ऐसा ही किसी और नाम से नाइट क्लब चलाने लगें

भारत में अंग्रेजों ने प्रशासनिक ढांचा अपने राजकाज को चलाने के लिए बनाया था। उसे लंबी अवधि तक बनाए रखने के लिए बनाया था। देखते ही देखते यह तंत्र स्टील फ्रेम में तब्दील होता चला गया। वैसे भी जर्मन दार्शनिक मैक्स वेबर इसे स्टील फ्रेम ही बताते हैं। संविधान सभा ने भारत के भावी प्रशासनिक तंत्र की रूपरेखा को लेकर चर्चा की थी। उसने इस पर गंभीर विमर्श किया था। संविधान सभा में प्रशासनिक तंत्र पर व्यापक चर्चा हुई, जिसका उद्देश्य एक ऐसा ढांचा तैयार करना था जो स्वतंत्र भारत के लिए प्रभावी, निष्पक्ष और लोकतांत्रिक सिद्धांतों के प्रति जवाबदेह हो । संविधान सभा के सदस्यों को संदेह था कि भारत की भावी नौकरशाही भारतीय मूल्यों और भारतीय व्यवस्था के अनुरूप नहीं हो पाएगी। इसी लिए संविधान सभा में तत्कालीन सदस्यों ने नौकरशाही की भूमिका पर ना सिर्फ व्यापक चर्चा की, बल्कि उसकी राजनीतिक तटस्थता, कार्यक्षमता, जवाबदेही और नए स्वतंत्र राष्ट्र के लोकतांत्रिक ढांचे में उसकी स्थिति सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित किया । इन बहसों का उद्देश्य एक ऐसी सिविल सेवा प्रणाली स्थापित करना रहा, जो संविधान के सिद्धांतों के प्रति निष्ठावान हो और लोगों की सेवा के लिए प्रतिबद्ध हो। सवाल यह है कि क्या संविधान सभा की बहसों के अनुरूप आज की नौकरशाही बन पाई है। उसके ज्यादातर हिस्सों को देखिए तो लगता है कि बिल्कुल नहीं। आज भी उसमें अंग्रेजी राज जैसी अकड़ है, उसका ध्यान ज्यादातर अपनी ताकत को बचाए रखने और उसके जरिए आर्थिक साम्राज्य खड़ा करने पर है। भारत का शायद ही कोई राज्य हो, जहां की नौकरशाही में अकूत संपत्ति के मालिक, भ्रष्टाचारी और कर्त्तव्यहीन अफसर ना होंगे। मध्य प्रदेश जैसे जिन राज्यों में लोकपाल व्यवस्था कायम है, वहां आए दिन ऐसे अफसरों पर छापे पड़ते हैं, उनके घर मिले नोटों को गिनने के लिए मशीनें लानी पड़ती हैं। कई बार तो नोट गिनने में ही दो–दो तीन–तीन दिन लग जाते हैं। सवाल यह है कि क्या अफसरों के पास अकूत धन उनके सत्कर्मों और कर्त्तव्यपरायणता के चलते आता है? निश्चित रूप से इस सवाल का जवाब ना में हैं। पैसे आते हैं, अवैध निर्माण को बढ़ावा देने से, नियमों की अवहेलना करने वालों से मिलने वाली रकम से, लोक के लिए आए फंड की बंदरबांट से। बिना प्रशासनिक मिलीभगत के यह कल्पना बेकार है कि किसी नाइट क्लब में अवैध निर्माण होगा, वह संकरी गलियों में चलेगा और उसमें सुरक्षा के इंतजाम नाकाफी होंगे। हाल के दिनों में सड़कों पर बसों के आग का गोला बनने की घटनाएं भी बढ़ी हैं, अवैध निर्माण के खिलाफ बुलडोजर भी चले हैं या चल रहे हैं, सवाल यह है कि क्या खटारा बसें बिना प्रशासनिक मिलीभगत और लापरवाही से सड़कों पर चल सकती हैं, क्या अवैध निर्माण बिना प्रशासनिक सहयोग के हो सकता है, निश्चित तौर पर ऐसे सवालों का जवाब ना में है। जब भी हादसे होते हैं, जब कोई बस आग का गोला बनती है, जब अवैध निर्माण सामने आता है, संबंधित बस मालिक के खिलाफ कार्रवाई हो जाती है, अवैध निर्माण गिरा दिया जाता है। लेकिन इन सबके लिए प्रशासनिक रूप से जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई नहीं होती। वे साफ बच जाते हैं। सवाल यह है कि जब भ्रष्ट प्रशासनिक तंत्र के बिना कोई नाइट क्लब नियमों को तोड़ते हुए निर्माण नहीं करा सकता, रोकथाम के उपायों की अनदेखी कर सकता है, बिना तंत्र के सहयोग के कोई अवैध निर्माण नहीं कर सकता, बिना तंत्र की आंखें मूंदने के कोई दूर ऑपरेटर खटारा बसों को सड़कों पर उतार नहीं सकता तो उस तंत्र पर सवाल क्यों ना उठे, उस भ्रष्ट प्रशासनिक ढांचे पर प्रहार क्यों न हो, अनधिकृत निर्माण जिस दौर में हुआ, उस वक्त उस इलाका विशेष में तैनात रहे अफसरों, कर्मचारियों और पुलिस अधिकारियों पर कार्रवाई क्यों न हो, उन्हें क्यों न जवाबदेह ठहराया जाए।

आज जरूरत इस बात की है कि अब हर गलत कार्य के लिए, गलत कार्य करने वाले, नियम तोड़ने वाले, कानून का उल्लंघन करने वाले को दोषी ठहराने की न्यायिक प्रक्रिया तो चले ही, साथ ही उसके लिए परोक्ष या प्रत्यक्ष रूप से जिम्मेदार रहे अधिकारियों को भी जवाबदेह बनाया जाए, उन्हें खोजकर उचित प्रशासनिक और कानूनी प्रक्रिया के जरिए दंडित किया जाए। जब तक ऐसा नहीं किया जाता, तब तक देश में ऐसी निर्दोष जानें जाती रहेंगी, सड़कों पर अव्यवस्था फैली रहेगी, नियमों की अनदेखी से अराजकता बनी रहेगी। लेकिन लाख टके का सवाल यह है कि क्या इस तरीके से सोचने को हमारा राजनीतिक ढांचा तैयार है?

जनता का डर न एयरलाइंस को है न सरकार को

अरविन्द मोहन

होना यह चाहिए कि सरकार विमानन या बाजार की किसी भी कंपनी को अनुमति और सुविधाएं देने के साथ उनकी लठैती की जगह ग्राहकों और अपने नागरिकों के हितों की रखवाली वाली लठैती करनी चाहिए। यह काम जब सबसे ऊपर स्तर से शुरू होगा तब नीचे के अधिकारी और कर्मचारी भी बदलेंगे। नियमों में किसी किस्म के ढील की कीमत क्या होती है यह हर बार के हादसों के बाद शोर मचाता ही है। नागरिक विमानन क्षेत्र के हमारे सबसे बड़े संकट के बीच राज्य सभा में जब विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू दोषी इंडिगो कंपनी को श्एकजेम्पलरीश सजा देने की घोषणा कर रहे थे तभी इस विमानन कंपनी का एक विमान गोवा नाइट क्लब की आगजनी के मुख्य दोषियों को लेकर फुकट पहुंचाने उड़ा। उस दिन भी पांच सौ से ज्यादा उड़ानें रद्द हुई थीं और उस दिन भी बड़े पैमाने पर यात्रियों के सामान आगे–पीछे हुए या नहीं लौटाए जा सके। उस दिन भी टिकटों की जमकर ब्लैक मार्केटिंग हुई और जाहिर तौर पर गोवा नाइट क्लब वाले महानुभावों ने भी कथित सर्ज प्राइस पर ही टिकट लिया हो। संभव है उन्होंने फ्लैट

कैंसिल के बीच अपनी यात्रा सुनिश्चित करने के लिए एयरलाइंस को कुछ अतिरिक्त चढ़ावा भी चढ़ाया हो या उनकी मित्रता रही हो। इसलिए मंत्रीजी के दावों की तुलना में एयरलाइन्स और धंधेबाजों की ताकत का ज्यादा लगाना स्वाभाविक है। इस हंगामें के बीच बाकी एयर लाइन्स द्वारा सर्ज प्राइस के नाम पर आठ से दस गुना तक ज्यादा भाड़ा वसूलने का खेल भी चलता रहा और सरकार सब जानकार खामोश बनी रही। मंत्री और सरकार के दावों को खोखला मानने का एक और आधार यह भी है कि पिछले पंद्रह वर्षों में हमारे तीन एयरलाइंस ध्वस्त हो गए लेकिन नागरिक विमानन के मामले में कोई नई पहल या नये कायदे लाने की बात नहीं हुई। और विमानों की स्थिति, बाजार में मोनोपोली, किराए की लूट, कर्मचारियों और विमानों पर भी जरूरत से ज्यादा वर्कलोड वाली स्थिति बदहाल ही होती गई है।सस्ता विमानन, हवाई चप्पल वालों को विमान यात्रा का सुख देने और सौ दो–सौ किमी की दूरी वाले शहरों में भी हवाई अड्डे बनाकर नई क्रांति(और वोट पाने) का खेल जारी रहा। जब रख–रखाव की साफ कमी की वजह से एअर इंडिया की एक अंतरराष्ट्रीय उड़ान दुर्घटनाग्रस्त हुई और रोज रख–रखाव की कमी और पायलटों पर ज्यादा बोझ का मामला सामने आने लगा तब सरकार को कुछ कदम उठाने की मजबूरी हुई। पायलटों के अलावा ग्राउंड स्टाफ भी कितने बोझ से दबा जा रहा है यह बात इस बार के संकट में सामने आई है तब भी चर्चा सिर्फ पायलटों की कमी या उनके वर्क–लोड मैनेजमेंट की ही है। इसे हमारी विमानन नीति, बाजार की दादागिरी और सरकार द्वारा ठीक से अपनी ताकत का इस्तेमाल भी न करने का उदाहरण ही मानना चाहिए कि दुर्घटना के बाद सरकार ने वर्क–लोड मैनेजमेंट के जो नये दिशानिर्देश दिए थे उनका पालन भी नहीं हो रहा था और अब मौजूदा संकट के बाद उन दिशानिर्देशों में ही ढील दी गई है। यह सिर्फ बाजार पर इंडिगो की 65 फीसदी मोनोपोली भर का मामला नहीं है, यह अधिकारियों और सरकार पर उसके शत–प्रतिशत एकाधिकार का ज्यादा बढ़िया उदाहरण है। जब से निजी विमानन कंपनियों के लिए आकाश खुला है तब से यात्रियों के मामले में उनको जितनी सफलता मिली है उससे ज्यादा सफलता सरकार और अधिकारियों पर अपना जादू चलाने में मिली है।इसका ही परिणाम है कि सरकार ने सारे हवाई अड्डों को अदानी समूह के हवाले कर दिया है और पूरा आसमान निजी कंपनियों को मनमानी के लिए सौंप दिया है। हमारे यहां जिस रफ्तार में यात्रियों की संख्या बढ़ी है उसने भी विमानन कंपनियों को मनमानी करनेको ललचाया है। वे दुनिया में कहीं से भी सेकेंड हैंड या भाड़े के पुराने विमान लाकर यहां जिस–तिस रूट पर चलाने लगे हैं। उनकी देख–रेख ठीक से नहीं होती और पोर्टर से लेकर पायलट तक पर ज्यादा से ज्यादा काम का दबाव है। हर फ्लाइट में अगर दसेक मिनट भी बचा लिए जाएं तो इंडिगो जैसी कंपनी को साल में कई सौ अतिरिक्त फेरे लगाने की गुंजाइश बन जाती है। इसका हिसाब करोड़ों में भी बहुत बड़ा है। कंपनी का लाभ ही आठ हजार करोड़ को छू रहा है जबकि सस्ता और सुविधाजनक के नाम पर आई यह या इस जैसी कंपनियां खिड़की वाली सीट, आगे–पीछे की मनचाही सीट और हर सहूलियत का अतिरिक्त पैसा वसूलने लगी है। जो थोड़ा समय हो उसमें हवा में ही मार्केटिंग शुरू हो जाती है और चाय– काफी से ही भारी कमाई होने लगी है। कहीं किसी चीज पर कोई सरकारी या कानूनी सीमा या बंदिश हो यह समझ नहीं आता और अगर कोई विरोध करे या सुविधा मांगे तो उसे हवाई पट्टी पर ही पीटने की खबरें भी आने लगी हैं।होना यह चाहिए कि सरकार विमानन या बाजार की किसी भी कंपनी को अनुमति और सुविधाएं देने के साथ उनकी लठैती की जगह ग्राहकों और अपने नागरिकों के हितों की रखवाली वाली लठैती करनी चाहिए। यह काम जब सबसे ऊपर स्तर से शुरू होगा तब नीचे के अधिकारी और कर्मचारी भी बदलेंगे। नियमों में किसी किस्म के ढील की कीमत क्या होती है यह हर बार के हादसों के बाद शोर मचाता ही है। लेकिन उनसे सीख नहीं ली जाती। मुश्किल यह है कि जब सरकार रेलवे को बगैर निजी हाथों में सौंपे सारी सेवाएं निजी कंपनियों को देने लगी है, स्टेशन और प्लेटफार्म नीलाम होने लगे हैं, जब वह खुद सर्ज प्राइस जैसी व्यवस्था से रेल टिकटों में ज्यादा कमाई करने लगी है, जब रेल मंत्रालय के लिए राजनेताओं और दलों में खींचतान चलती हो(जाहिर तौर पर कमाई ही कारण है) तब उससे निजी विमानन कंपनियों पर डंडे चलाने की उम्मीद कौन कर सकता है?विदेशों में ऐसा नहीं है। निजी क्षेत्र सब करता है लेकिन रेगुलेशन के तहत। तानाशाही और राजतन्त्र की बात अलग है लेकिन चुनी हुई सरकारों वाले देशों, खासकर अमेरिका और यूरोप में सरकारें कंपनियों की जगह लोगों और कानून की लठैती करती दिखती है। ट्रम्प लाख बावले दिखते हों पर अपने नागरिकों के हकों के खिलाफ नहीं जाते। और सबसे बड़ा फर्क वहां के ग्राहक आंदोलन और उनके दबाव में बने कानूनों के चलते आता है। वहां कोई भी महाबली कंपनी गलत उत्पाद, खराब सेवा और इस तरह से ग्राहकों का नुकसान करके बच नहीं सकती। किसी की शादी रुक जाए, कोई मरते मां–बाप से न मिल पाए, किसी की अगली फ्लाइट मिस हो जाए यह गुनाह करके आप बच नहीं सकते। विमानन के मामले में तो और भी सख्ती है–टिकट वापसी, उसकी कीमत से कई गुना ज्यादा जुर्माना, होटल और ट्रांसपोर्ट का बिल भुगतान जैसी सजा भुगतानी ही होती है। और सरकारी डंडा जितना नुकसान करे ग्राहकों की भरपाई में कंपनियों की हालत खराब हो जाती है। फिर वे डरती है। यहां कोई डर नहीं है, न सरकार का न ग्राहक का। इसकी असली वजह यह भी है कि हमारी सरकार भी हमारी कम परवाह करती है। उसे नागरिकों का डर तो शायद है ही नहीं।

मैकाले के बच्चे ही आज भी भारत के बिल भर रहे

सतीश झा

भारत की एकमात्र अनलूटेबल संपत्ति वह पतली परत हैकृ अंग्रेजी–फ्लुएंट, विश्लेषणात्मक रूप से प्रशिक्षित दिमागों कीकृजिसे मैकाले ने जन्म दिया था। बाकी कोयला, खनिज, नदियाँकृहमने ही चुरा लिए, बर्बाद किए, या लाल फीते में कसकर बांध दिए। इतना सब होने के बावजूद हमने इसके साथ क्या किया? लगभग कुछ नहींकृबल्कि उल्टा किया। एक असहज सच है, जिसे बोलते ही या लिखते ही कथित देशभक्त व्हाट्सऐप ग्रुप का दरवाजा बंद हो जाएगा। पर सच से आँख चुराने का कोई फायदा नहीं है। आधुनिक भारत आज भी उसी ईंधन पर चल रहा है, जिसे 1835 में थॉमस बैबिंगटन मैकाले ने हमारी नसों में उतारा था। यह कोई अकादमिक तर्क नहीं, यह जमीन की वह कठोर हकीकत है। और यह हकीकत बताती है कि आईटी एक्सपोर्ट से लेकर फार्मा पेटेंट तक, रिजर्व बैंक से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक, वैज्ञानिक प्रयोगशालाओं से लेकर वैश्विक स्टार्ट–अप बोर्डरूम तककृ भारत की जो भी आधुनिक मशीनरी चल रही है, उसका अस्सी फीसदी इंजन उसी अंग्रेजी शिक्षा और विश्लेषणात्मक प्रशिक्षण से पनपा जिसे मैकाले ने अपने मिनटया कि नोट में दर्ज किया था। मैकाले तब महज 34 साल का था, भारत में चार साल भी पूरा नहीं काट पाया, फिर भी उसने कॉलोनी को बदल देने वाली वह अवधारणा गढ़ दी जिसने आगे चलकर पूरे राष्ट्र, भारतीयों के के बौद्धिक खाके को आकार दिया। मैकाले ने साफ कहा था कि उसे ऐसी प्रशासकीय जाति चाहिए जो खून और रंग से भारतीय भले हो पर स्वाद, विचार, चरित्र और बुद्धि से अंग्रेज। उसने जो माँगा, इतिहास ने वैसा ही बना दिया। आज हमारे बौद्धिक पिरामिड की ऊपर की 15दृ20 प्रतिशत परतकृजिसे आप चाहें तो मैकाले के बच्चे कह लें वह भारत का सबसे ज्यादा टैक्स उत्पन्न करती है, ज्यादातर फॉरेन एक्सचेंज कमाती है, विज्ञान और प्रौद्योगिकी की लगभग सारी उपलब्धियों को आकार देती है, और दुनिया में भारत की साख का सबसे बड़ा जनक है। बाकी 80 प्रतिशत मेहनतकश भारत पर इसका कोई मान नहींय यह उस आर्थिक सच्चाई का नाम है जिसमें हम अभी भी रहते हैं। वह सच्चाई यह है कि भारत की प्रति व्यक्ति आय आज भी बोत्सवाना और गैबन जैसे देशों से कम हैकृवे देश जो तेल, हीरों और प्राकृतिक संपदा के महासागरों पर टिके हैं, जबकि हम दुनिया की सबसे कम उपयोग की गई मानवीय प्रतिभा पर टिके हैं। मैकाले के आलोचक सदैव रहेकृगांधी की पीढ़ी से लेकर आज की सत्ता तक। और वे एक बिंदु बिल्कुल ठीक उठाते हैंरू यह शिक्षा–प्रणाली नवोन्मेषी दिमाग नहीं बनाती, बल्कि एक क्लर्की जाति बनाती थी और है। यह भारतीय भाषाओं की प्रतिभा को दबा गईय इसने शिक्षा को ज्ञान की बजाय सामाजिक प्रतिष्ठा का टोकन बना दियाय और पीढ़ियों को पश्चिमी मान्यता के लिए लालायित कर दिया। यह सब सच है। लेकिन आलोचक यहीं रुक जाते हैं, जबकि वाक्य अधूरा इसी वजह से रह जाता है कि वे यह नहीं कहते किकृयदि यह ढांचा न होता तो क्या होता? सचाई यह है कि यदि मैकाले की वह प्रशासनिक रीढ़ न होती, तो 1947 में 28 रियासतों और 565 जागीरों वाला यह उपमहाद्वीप एक गणराज्य के रूप में एकसाथ खड़ा ही नहीं हो पाता। हमारे पास बॉम्बे प्लान जैसी औद्योगिक कल्पना लिखने वाले अभियंता नहीं होते, 1974 में परमाणु परीक्षण करने वाले वैज्ञानिक नहीं होते, और 1991 में अपने ही संकट से जूझते हुए आईएमएफ को ठोस अंग्रेजी तर्कों के साथ यह मनाने वाले अर्थशास्त्री नहीं होते कि भारत को सांस लेने दीजिए, हम अपनी अर्थव्यवस्था को खोलेंगे। गणतंत्र दिवस पर जिस भी उपलब्धि का हम झंडा उठाते हैं, उसकी कहानी को ध्यान से पढ़िएकृआप पाएँगे कि उसके लेखक, उसके तकनीकी दिमाग, उसके मुख्य संचालक, वे ही थे जिन्हें मैकाले ने कभी अपनी प्रशासकीय जाति के लिए कल्पना किया था। जरा दुनिया के नक्शे में एक और उदाहरण देखिए। अफ्रीका में भारत के मुकाबले दस गुना अधिक खनिज–संपदा है, दो गुना जमीन है, और वहाँ उपनिवेशी भाषाई दखल भी भारत जितना गहरा नहीं था। फिर भी उप–सहारा अफ्रीका की प्रति व्यक्ति आय भारत से अधिक है। क्यों? क्योंकि खनिज और प्राकृतिक संपदा को तानाशाह और ताकतवर लूट सकते हैंय मानव पूंजी को कोई नहीं लूट सकता। भारत की एकमात्र अनलूटेबल संपत्ति वह पतली परत हैकृअंग्रेजी–फ्लुएंट, विश्लेषणात्मक रूप से प्रशिक्षित दिमागों कीकृजिसे मैकाले ने जन्म दिया था। बाकी कोयला, खनिज, नदियाँकृहमने ही चुरा लिए, बर्बाद किए, या लाल फीते में कसकर बांध दिए। इतना सब होने के बावजूद हमने इसके साथ क्या किया? लगभग कुछ नहींकृबल्कि उल्टा किया। पिछले अऋहत्तर वर्षों में हमारा शिक्षा बजट 4.6 प्रतिशत जीडीपी के आसपास मँडराता हैय उसमें से भी ज्यादातर पैसा इमारतों और वेतनों में डूब जाता है, सीखने–सिखाने में नहीं। देश के पाँच प्रतिशत बच्चों को भी दुनिया–स्तरीय शिक्षा नहीं मिलती। हमारे पास गुणवत्तापूर्ण विश्वविद्यालयों से ज्यादा विश्वविद्यालय नियामक हैं। और हर कुछ साल में एक नया नेता राजनीतिक लाभ के लिए घोषणा करता हैकृहम मैकाले की आत्मा को दफना देंगे। लेकिन कोई यह नहीं पूछता किकृक्या हमने वह वैकल्पिक ढांचा बनाया है जो मैकाले की जगह ले सके? यदि प्रधानमंत्री मोदी सचमुच मैकाले को दफनाना चाहते हैं, तो पहले यह साबित करना होगा कि जो प्रणाली वह नापसंद करते हैं, उससे बेहतर प्रणाली वे गढ़ सकते हैं। मैकाले की मशीनरीकृजिसे 180 साल से अवमानना, कम फंडिंग, और राजनीतिक बाधाओं का सामना करना पड़ाकृफिर भी चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुँचने वाला देश बना गई, और दुनिया के आधे सिलिकॉन वैली को चलाने वाला भारतीय दिमाग पैदा कर गई। लेकिन हम स्वतंत्र भारत में 78 साल में यह भी सुनिश्चित नहीं कर पाए कि हमारे आधे बच्चे कक्षा 5 तक सामान्य स्तर की साक्षरता हासिल कर लें। इसलिए जारी रही नाम बदलने की रस्में, इतिहास–पुस्तकों को दुबारा लिखने की कवायदें, और राष्ट्रवादी सीने ठोकने की परंपरा।

लखनऊ में सिपाही आलोक सिंह की कोठी सहित ईडी की 25 ठिकानों पर छापेमारी, छह शहरों में बोला धावा

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के कफ सिरप कांड मामले में प्रवर्तन निदेशालय की टीमों ने शुक्रवार सुबह से ही सिंडिकेट के 25 ठिकानों पर छापेमारी शुरू कर दी। ईडी की टीमों ने लखनऊ, वाराणसी, अहमदाबाद, जौनपुर, सहारनपुर और रांची के ठिकानों पर छापेमारी की है। वहीं, लखनऊ में आरोपी आलोक सिंह के ठिकानों पर भी छापा मारा। इसके पहले, कफ सिरप मामले में

लखनऊ में कोडीन युक्त सिरप, टेबलेट, कैप्सूल और इंजेक्शन की कालाबाजारी के मामले में 11 अक्तूबर को गिरफ्तार हुए कृष्णानगर के स्नेहनगर निवासी दीपक मानवानी के दो साथियों सूरज मिश्र और प्रीतम सिंह को कृष्णानगर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इस मामले में आरोपियों का एक साथी आरुष सक्सेना अभी पकड़ा नहीं गया है। पुलिस टीम उसकी तलाश में लगी है। एसीपी कृष्णानगर रजनीश वर्मा ने बताया कि 11 अक्तूबर को औषधि विभाग व पुलिस की संयुक्त टीम ने स्नेहनगर निवासी दीपक मानवानी के मकान पर छापा डालते हुए भारी मात्रा में कोडीन युक्त सिरप, टेबलेट, कैप्सूल और इंजेक्शन बरामद किया था। आरोपी दीपक को पुलिस ने गिरफ्तार करते हुए कृष्णानगर थाने में रिपोर्ट भी दर्ज की थी। पूछताछ में दीपक ने खुलासा किया था कि वह उक्त दवा सूरज और प्रीतम से खरीदकर नशेड़ियों को बेचता था। आरोपी सूरज व प्रीतम को भी आरोपी बनाया गया था। पुलिस टीम दोनों की तलाश में लगी थीं। बृहस्पतिवार को कृष्णानगर पुलिस ने बैकुंठ धाम वीआईपी रोड से मड़ियांव फैजुल्लागंज निवासी सूरज मिश्र और महानगर के बादशाहनगर निवासी प्रीतम सिंह को गिरफ्तार किया। आरोपी सूरज मूल रूप से सीतापुर के अटरिया सदनपुर का रहने वाला है और उसकी न्यू मंगलम आयुर्वेदिक नाम से दवा की एजेंसी है। आरोपी प्रीतम मूल रूप से बहराइच के बाडी राजा का निवासी है। वह फैमिली रेस्टोरेंट पुरनिया में काम करता है।

एसआईआरफॉर्म को मिला धार्मिक रूप, मां के कॉलम पर साधु–संत भर रहे सीता

लखनऊ, (संवाददाता)। रामनगरी अयोध्या में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के गणना प्रपत्र ने भी धार्मिक स्वरूप ले लिया है। एसआईआर फॉर्म सनातन की आस्था के रंग से सराबोर हो गया है। साधु–संतों की ओर से फॉर्म में मां वाले कॉलम में माता सीता, जानकी, कौशल्या और सुमित्रा

का नाम दर्ज किया जा रहा है। इसकी शुरुआत हिंदू धाम पीठाधीश्वर और भारतीय जनता पार्टी के पूर्व सांसद डॉ. राम विलास दास वेदांती की ओर से की गई। यह शुरुआत करते हुए उन्होंने साधु–संतों से अपील की कि फिर फॉर्म में मां वाले कॉलम में इन्हीं नाम को दर्ज करें, बस फिर क्या था संत– महंतों में इसकी होड़ मच गई। बड़ी संख्या में साधु–संत अब यही नाम दर्ज कर रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

कर्मचारियों के हित में हर लड़ाई लड़ने को तैयार : डॉ. स्वतंत्र कुमार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के शिक्षणेत्तर कर्मचारी संघ का चुनाव सोमवार को होगा और उसी दिन परिणाम घोषित होगा। जिसे लेकर प्रत्याशियों ने अपने–अपने जीत के दावे किए हैं। बता दें कि पीयू कर्मचारी संघ का चुनाव प्रक्रिया मे सोमवार 15 दिसंबर को मतदान होगा। वही अध्यक्ष पद के प्रत्याशी एवं कर्मचारी संघ के पूर्व महामंत्री डॉ. स्वतंत्र कुमार ने प्रचार प्रसार में दम भरते हुए कहा है कि कर्मचारी समस्याओं के लिए हर लड़ाई लड़ने को तैयार हूं और उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलूंगा । विश्वविद्यालय के कर्मचारी अपने परिवार जैसे भाई बहन बडे है । उनकी समस्याओं का निदान करवाना मेरा लक्ष्य है ,अगर कर्मचारी भाइयों बहनो ने हमें मौका दिया तो उनकी समस्या के निदान के लिए हर संभव लड़ाई लड़ने को तैयार हैं। हमारी प्राथमिकता है कर्मचारियों के हितों के बारे में सोचना और काम व सेवा करना ही हमारा लक्ष्य है । संघ के सभी पदों पर 22 लोगों ने नामांकन किया था। जिसमें अध्यक्ष पद के लिए डॉ स्वतंत्र कुमार, वरिंदर यादव, उपाध्यक्ष पद के लिए पूर्व उपाध्यक्ष सुशील प्रजापति ,धीरज श्रीवास्तव, हेमंत कुमार दुबे ने नामांकन किया। महामंत्री पद के लिए राधेश्याम सिंह मुन्ना ऋषि रघुवंशी जैसलाल यादव ने नामांकन किया है। इन्हीं पदों पर लड़ाई होगी। इसके अलावा संयुक्त मंत्री कोषाध्यक्ष एवं सदस्य पद पर सभी नामांकन कर्ता निर्विरोध चुन लिए गए । जिसमे संयुक्त मंत्री पद के लिए कैलाशनाथ यादव, दूधनाथ यादव, कोषाध्यक्ष पद पर उमाशंकर यादव, सदस्य पद पर बृजेश सिंह, दिनेश कुमार यादव, मनु मिश्रा ,विनोद गौतम ,छोटेलाल यादव, विजय यादव ,डा.दिलगीर हसन, अनिल सिंह वित्त, अनिल कुमार सिंह कु.कार्यालय, प्रमोद विश्वकर्मा, अखिलेश शुक्ला निर्विरोध चुने गये। चुनाव अधिकारी प्रो. सुरजीत यादव ने बताया कि कुलपति के दिशा निर्देश में चुनाव प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता के साथ कराई जाएगी । सोमवार को पुलिस की मौजूदगी में चुनाव मतदान होगा।

कोहरे में ट्रैक्टर से टकराई स्कूल बस, 25 बच्चे थे सवार चार घायल

लखनऊ, (संवाददाता)। सीतापुर जिले के मछरेहटा के बीहट बीरम और आदिलपुर के बीच शुक्रवार सुबह करीब 9 बजे आर जे जे एजुकेट प्वाइंट स्कूल की बस एक ट्रैक्टर से टकरा गई। घटना के समय स्कूल बस से बच्चे मछरेहटा से खैराबाद की तरफ स्कूल को जा रहे थे। तभी खैराबाद की तरफ से आ रहे ट्रैक्टर और बस में आपस में टक्कर हो गई। बस में 25 बच्चे सवार थे जिसमें से एक बच्ची शगुन रस्तोगी पुत्री मनोज रस्तोगी उम्र करीब (9 वर्ष) निवासी मछरेहटा को हल्की चोट आई है। जिसको प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया है। वहीं, बस में सवार 2 शिक्षक प्रीति मिश्रा (26 वर्ष), अभय मिश्रा (25 वर्ष) निवासी राठौरपुर भी चोटिल हो गए। साथ ही ड्राइवर अनुज कुमार (40 वर्ष) को चोट आईं है। तीनों लोगों का इलाज सीएचसी मछरेहटा में चल रहा है। सीएचसी अधीक्षक डॉ. कमलेश कुमार ने बताया कि सभी की हालत सामान्य है और उपचार किया जा रहा है।

आलोक सिंह को लेकर धनंजय सिंह का बड़ा दावा

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के जौनपुर से पूर्व सांसद धनंजय सिंह ने कोडीन कफ सिरप मामले में अपनी संलिप्तता से इंकार किया है। साथ ही सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर जोरदार हमला बोला। कहा कि अखिलेश क्षत्रिय विरोधी हैं, इसलिए इस प्रकरण में मेरा नाम घसीट रहे हैं। उन्होंने अखिलेश समेत उन्हें बदनाम करने वाले सभी लोगों के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दर्ज कराने की चेतावनी भी दी है। बृहस्पतिवार को राजधानी लखनऊ में पत्रकारों से बातचीत में धनंजय ने कहा कि जानबूझकर राजपूत समाज को टारगेट किया जा रहा है। इसका खामियाजा 2027 में अखिलेश यादव को भुगतना पड़ेगा। इस मामले की एसआईटी, ईडी, पुलिस जांच कर रही है। मैंने खुद सीबीआई से जांच कराने की मांग की है। जांच रिपोर्ट आ जाने दीजिए। वहीं विधायक अभय सिंह पर पलटवार करते हुए माफिया बबलू श्रीवास्तव और मुख्तार अंसारी का करीबी होने का आरोप लगाया। धनंजय ने बर्खास्त सिपाही आलोक सिंह के साथ पारिवारिक रिश्ते होने की पुष्टि की। लेकिन, उसके कारोबार और फर्मों की कोई जानकारी होने से मना कर दिया। कफ सिरप सिंडिकेट के सरगना शुभम जायसवाल के साथ तस्करी करने वाले बर्खास्त सिपाही आलोक सिंह और अमित सिंह टाटा से एसटीएफ पूछताछ करेगी। राजधानी स्थित सीजीएम कोर्ट ने दोनों की शुक्रवार से रविवार तक तीन दिन की कस्टडी रिमांड मंजूर की है। शुभम के साथ फर्जी फर्मों के जरिए सिरप की तस्करी करने के आरोप में वाराणसी निवासी अमित और चंदौली निवासी बर्खास्त सिपाही आलोक सिंह को गिरफ्तार किया गया था। दोनों ने पूछताछ सहयोग नहीं किया। इसी वजह से एसटीएफ ने कोर्ट से पूछताछ की अनुमति मांगी थी। अब एसटीएफ दोनों से सिंडिकेट के नेटवर्क, दुबई फरार होने, राजनेताओं और माफिया से संबंधों के संबंध में पूछताछ होगी। बता दें कि आलोक सिंह , शुभम, अमित सिंह और फरार विकास सिंह नरवे पूर्व सांसद धनंजय सिंह के करीबी बताए जाते हैं।

यूपी में पान मसाला-खैनी का कर संग्रह 60 करोड़ तक घटा

लखनऊ, (संवाददाता)। राज्यकर विभाग में वर्ष 2024–25 में कर संग्रह की स्थिति मिलीजुली रही। तंबाकू से जुड़े उत्पादों में जहां गिरावट दर्ज की गई, वहीं कई प्रमुख क्षेत्रों में बढ़ोतरी ने कुल राजस्व को संबल दिया। रिपोर्ट में कुल 59 व्यावसायिक क्षेत्र शामिल हैं, जिनमें से 34 क्षेत्रों में गिरावट जबकि 25 क्षेत्रों में बढ़ोतरी दर्ज की गई। आंकड़ों के अनुसार तंबाकू उत्पाद (जिसमें पान मसाला, खैनी और चबाने वाला तंबाकू शामिल हैं) से वर्ष 2023–24 में 601.53 करोड़ रुपये का कर संग्रह हुआ था। यह 2024–25 में घटकर 541.51 करोड़ रुपये रह गया। इस श्रेणी में 9.98 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। इस गिरावट की वजह पिछले वर्ष पान मसाला और तंबाकू सेक्टर पर की गई सख्ती को माना जा रहा है। वहीं तंबाकू क्षेत्र के भीतर ही सिगरेट ने अलग राह पकड़ी। वर्ष 2023–24 में सिगरेट से 435.34 करोड़ रुपये का कर मिला था, जो 2024–25 में बढ़कर 490.42 करोड़ रुपये हो गया। इस तरह सिगरेट में 12.65 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज हुई। हालांकि सिगरेट की यह मजबूती, कुल तंबाकू उत्पादों की गिरावट की भरपाई नहीं कर सकी। रिपोर्ट के अनुसार

मोबाइल उपकरण, उर्वरक, निर्माण अनुबंध, दूरसंचार जैसे कई बड़े क्षेत्रों में गिरावट दर्ज की गई जिसका असर कुल कर संग्रह पर पड़ा। इसके बावजूद वाहन, उपभोक्ता वस्तुएं, विद्युत उपकरण, रत्न–आभूषण और सिगरेट जैसे क्षेत्रों की बढ़ोतरी ने राजस्व को संतुलन में रखा। आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि पान मसाला और तंबाकू उत्पाद दबाव में हैं, जबकि सिगरेट और कुछ अन्य मजबूत क्षेत्र आय का स्रोत बने हुए हैं। गिरावट वाले क्षेत्रों के लिए नीतिगत सुधार की जरूरत महसूस की जा रही है।

संक्षिप्त खबरें

मड़ियांव पुलिस ने बरामद किए 72 खोए मोबाइल, बारह लाख की संपत्ति मालिको को लौटाई

लखनऊ, (संवाददाता)। पुलिस कमिश्नरेट के अंतर्गत मड़ियांव थाना क्षेत्र की साइबर हेल्पडेस्क टीम ने एक बार फिर सराहनीय कार्य करते हुए विभिन्न व्यक्तियों के खोए हुए 72 मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक स्वामियों को सुपुर्द कर दिए। इन मोबाइलों की कुल कीमत लगभग बारह लाख रुपये आंकी गई है। अपने खोए मोबाइल वापस पाकर लोगों के चेहरों पर मुस्कान लौट आई और सभी ने पुलिस टीम की प्रशंसा की।यह कार्रवाई पुलिस उपायुक्त उत्तरी के पर्यवेक्षण, अपर पुलिस उपायुक्त उत्तरी तथा सहायक पुलिस आयुक्त अलीगंज के निर्देशन में, और मड़ियांव थाना प्रभारी के नेतृत्व में की गई। थाना मड़ियांव की साइबर टीम ने ब्म्प् पोर्टल के माध्यम से मोबाइलों की आईएमईआई ट्रैकिंग कर उनकी लोकेशन का पता लगाया। कई मोबाइल जनपद के बाहर और कुछ अन्य राज्यों में भी पाए गए, जिन्हें टीम ने निरंतर प्रयास करते हुए उचित माध्यम से मंगवाकर थाने पर एकत्र किया।सभी 72 मोबाइल उनके वास्तविक स्वामियों को बुलाकर विधिवत सुपुर्द कर दिए गए। उनमें लखीमपुर खीरी, हरदोई, गोरखपुर, अयोध्या, उन्नाव, बाराबंकी, सीतापुर, बहराइच सहित लखनऊ के अलग–अलग क्षेत्रों के लोग शामिल रहे। मोबाइल मिलने पर अधिकांश स्वामियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद नहीं थी कि खोया हुआ फोन वापस मिल पाएगा, लेकिन पुलिस की सक्रियता और तकनीकी प्रयासों ने यह संभव किया।बरामद मोबाइलों में ओप्पो, सैमसंग, वीवो, रियलमी, मोटोरोला, वनप्लस, पोको, आईक्यू सहित विभिन्न कंपनियों के मॉडल शामिल रहे।इस सफल अभियान में उपनिरीक्षक संजय कुमार, उपनिरीक्षक प्रेरणा श्रीवास्तव, कांस्टेबल अमित मिश्रा और महिला कांस्टेबल दीपा पाल की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिनके प्रयासों से सभी मोबाइल सुरक्षित रूप से बरामद कर उनके स्वामियों तक पहुँचाए जा सके।

नौकरी और रोजगार भाजपा के एजेंडे में नहीं, युवाओं को लगातार धोखा दिया जा रहा है : अखिलेश यादव

लखनऊ, (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार युवाओं और नौजवानों के भविष्य के साथ लगातार खिलवाड़ कर रही है। नौकरी और रोजगार भाजपा के एजेंडे में कभी रहे ही नहीं, और यही वजह है कि लाखों युवाओं को आज भी स्थायी अवसर नहीं मिल पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सत्ता से बाहर होगी तभी प्रदेश के नौजवानों को रोजगार और नौकरियां मिल सकेंगी।अखिलेश यादव ने प्रयागराज में प्रतियोगी छात्रों के प्रस्तावित आंदोलन को नैतिक समर्थन देते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी अब तक प्रतियोगी छात्रों के साथ रही है और आगे भी उनके साथ मजबूती से खड़ी रहेगी। यह राजनीति का नहीं बल्कि युवाओं के भविष्य का सवाल है, जिसे किसी भी हाल में नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने नौजवानों का भविष्य बर्बाद कर दिया है। प्रदेश में शिक्षा विभाग से लेकर अन्य कई महत्वपूर्ण विभागों में बड़ी संख्या में पद रिक्त हैं, लेकिन सरकार भर्ती प्रक्रिया को आगे बढ़ाने में नाकाम रही है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं में हताशा और निराशा बढ़ती जा रही है, क्योंकि वर्षों की मेहनत के बाद भी उन्हें रोजगार नहीं मिल पा रहा।

पीआरडी स्थापना दिवस पर अनुशासन और कौशल का शानदार प्रदर्शन, महिला प्लाटून रही अव्वल

लखनऊ, (संवाददाता)। युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल विभाग द्वारा जेल रोड, आनंद नगर स्थित महानिदेशालय परिसर में 77वाँ प्रान्तीय रक्षक दल (पीआरडी) स्थापना दिवस समारोह 11 दिसंबर 2025 को बड़े उत्साह के साथ आयोजित किया गया। परेड ग्राउंड में हुए इस अवसर पर मुख्य अतिथि सुहास एल.वाई., सचिव युवा कल्याण एवं खेल, ने पीआरडी जवानों की रैतिक परेड का निरीक्षण किया और सलामी स्वीकार की। संयुक्त निदेशक प्रशासन अशोक कुमार कनौजिया ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया।स्थापना दिवस की परेड में प्रदेशभर से कुल 11 प्लाटूनों ने हिस्सा लिया। इनमें लखनऊ, बरेली, कानपुर, गोरखपुर, वाराणसी, प्रयागराज और मेरठ जोन की प्लाटूनों के साथ दो महिला प्लाटून और मुख्यालय की आपदा राहत प्लाटून भी शामिल रही। सभी प्लाटूनों ने अपने अनुशासन, तालमेल और परेड कौशल से उपस्थित अधिकारियों और दर्शकों को प्रभावित किया।निर्णायकों द्वारा मूल्यांकन के आधार पर महिला प्लाटून–1 ने 40 में से 35 अंक पाकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके कमाण्डर संध्या शुक्ला को समारोह में विशेष रूप से सराहा गया। मेरठ प्लाटून को 32 अंकों के साथ दूसरा स्थान मिला, जिसका नेतृत्व रानू धारीवाल ने किया। तीसरा स्थान वाराणसी प्लाटून को मिला जिसे आशुतोष गौतम ने कमांड किया।परेड के दौरान विभिन्न जोन के प्लाटून कमाण्डरों कृफहद अली खान (बरेली), धीरेन्द्र कुमार (कानपुर), भूपेश पाण्डेय (लखनऊ), आशुतोष गौतम (वाराणसी), प्रवीण चन्द्रा (प्रयागराज), आदित्य पटेल (आपदा राहत), संध्या शुक्ला (महिला प्लाटून–1) और आरती देवी (महिला प्लाटून–2)कृने अपनी प्लाटूनों का प्रभावशाली नेतृत्व किया। पीआरडी ब्रास बैंड ने देशभक्ति की धुनों से कार्यक्रम में उत्साह का संचार किया।रैतिक परेड का संचालन सीतापुर के परेड कमाण्डर अनमोल सिंह ने किया। उन्हें उन्नाव की नम्रता श्रीवास्तव और कानपुर नगर के राघवेन्द्र सिंह का सहयोग मिला। समारोह के दौरान महाकुंभ 2025 में उत्कृष्ट सेवा देने वाले 34 पीआरडी स्वयंसेवकों को प्रशंसा चिन्ह और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया, जिनमें रमाशंकर, ननिल कुमार, धीरज कुमार, सुनील कुमार कौशल, नीरज और दिनेश कुमार यादव प्रमुख रहे।स्थापना दिवस के अंतर्गत मोहनलालगंज विभागीय स्टेडियम में रस्साकशी प्रतियोगिता भी आयोजित हुई। पुरुष वर्ग में गोरखपुर जोन ने प्रथम और लखनऊ जोन ने द्वितीय स्थान हासिल किया।अपने उद्बोधन में मुख्य अतिथि ने पीआरडी जवानों द्वारा पुलिस थानों, यातायात, शासकीय और अर्द्धशासकीय संस्थानों में दी जा रही सेवाओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि पीआरडी युवा प्रदेश की शांति और सुरक्षा व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी हैं, और बेहतर प्रशिक्षण की व्यवस्था लगातार की जा रही है।समारोह के अंत में विजेता प्लाटून कमाण्डरों और परेड कमाण्डरों को ट्रॉफी प्रदान की गई। उप निदेशक अजातशत्रु शाही ने विजेता प्लाटूनों के जवानों को पुरस्कार वितरित किए। पीआरडी ब्रास बैंड को उत्कृष्ट प्रस्तुति के लिए 5000 रुपये का नकद पुरस्कार भी दिया गया।कार्यक्रम में उप निदेशक आदित्य कुमार, संजय कुमार सिंह, मेघना सोनकर, संदीप कुमार सहित विभागीय अधिकारी, होमगार्ड और कारागार विभाग के अधिकारी एवं जवान बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

परेड में पीआरडी जवानों की महिला टोली अव्वल

लखनऊ, (संवाददाता)। युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल विभाग का 77वां स्थापना दिवस खेल प्रतियोगिताओं के साथ संपन्न हुआ। मौके पर हुई परेड प्रतियोगिता में महिला टोली अव्वल रही। मोहनलालगंज स्थित ग्रामीण स्टेडियम में हुए कार्यक्रम में महिलाओं की रस्साकसी प्रतियोगिता में टोली नंबर एक व पुरुष वर्ग में टोली नंबर दो विजेता रही। तीन टुकड़ियों में शामिल 88 पीआरडी जवानों ने परेड में भाग लिया। महिला टोली को प्रथम, टोली नं. तीन को द्वितीय व टोली नंबर दो को तृतीय घोषित किया। परेड का संचालन परेड कमांडर पुष्पांजलि ने किया। स्वयंसेवकों की रस्साकसी के महिला वर्ग में टोली नंबर एक व पुरुष वर्ग में टोली नं. दो विजेता रही।

अखिलेश यादव से ईराकी प्रतिनिधिमण्डल की मुलाकात, भारत-ईराक रिश्तों को और मजबूत बनाने पर चर्चा

लखनऊ, (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से आज लखनऊ में मौलाना

जावेद आब्दी के नेतृत्व में नजफ, ईराक के सम्मानित आध्यात्मिक नेता अयातुल्ला शेख मोहम्मद याकूबी के प्रतिनिधियों ने मुलाकात की। प्रतिनिधिमण्डल में अल्लामा सैयद अली अल यासरी, अल्लामा सैयद अली नकी जैदी, अल्लामा डॉ. सैयद कल्बे अब्बास रिजवी अल इज्तेहादी और अल्लामा शेख सालह शामिल थे। इस दौरान अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई।ईराकी प्रतिनिधियों ने इस मुलाकात को यादगार बताते हुए कहा कि भारत, अखिलेश यादव के नेतृत्व में व्यापक तरक्की कर सकता है। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव में सभी वर्गों को साथ लेकर चलने की क्षमता है और ईराक में भी लोग उन्हें बेहद पसंद करते हैं। प्रतिनिधियों ने बताया कि ईराक में भारतीय नेता महात्मा गांधी का विशेष सम्मान है और वहां के सांसद अखिलेश यादव से बहुत कुछ सीख सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भारत की संसद में अखिलेश यादव के भाषणों का अरबी में अनुवाद उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जाएगी।ईराकी प्रतिनिधिमण्डल ने बताया कि उनके देश में पेट्रोल का पर्याप्त उत्पादन है और भारतदृईराक के बीच व्यापारिक तथा सांस्कृतिक रिश्तों को और मजबूत बनाया जाना चाहिए। दोनों देशों के बीच बढ़ते सहयोग से पारस्परिक विकास के नए रास्ते खुल सकते हैं।प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि भारत सदियों पुरानी 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना को मानने वाला देश है, जहां पूरे विश्व को एक परिवार के रूप में देखा जाता है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति की वैश्विक आत्मा दुनिया भर में मेलदृमिलाप, संवाद और विश्वास से ही मजबूत होती है। आपसी भाईचारे से ही अमन, चौन और खुशहाली का वातावरण बनता है और विकास के अवसर सबके लिए सुनिश्चित किए जा सकते हैं।उन्होंने कहा कि समाजवाद का लक्ष्य हर तरह की गैर–बराबरी को समाप्त करके सबके लिए इंसाफ सुनिश्चित करना है। किसी भी धर्म में जुल्म को जगह नहीं होती, और धैर्य तथा सद्भाव सभी धर्मों की मूल सीख है। इंसान तभी आगे बढ़ सकता है, जब समाज में हर किसी के साथ न्याय और बराबरी का व्यवहार हो।अखिलेश यादव ने समाजवादी सरकार के जनहितकारी कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि उनकी सरकार ने महिलाओं को पेंशन दी, साइकिल ट्रैक बनवाए, छात्राओं को निःशुल्क साइकिलें दीं, लैपटॉप वितरण कराया। अस्पतालों में निःशुल्क इलाज की बेहतर व्यवस्था की गई और गंभीर बीमारियोंकृहार्ट, लीवर, किडनी और कैंसरकृकी चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई गई थी। मरीजों के आवागमन के लिए 108 एम्बुलेंस सेवा और महिलाओं की सुरक्षा के लिए 1090 सेवा भी शुरू की गई, जिसकी सराहना पूरे प्रदेश में हुई।मुलाकात के अंत में ईराकी प्रतिनिधिमण्डल ने समाजवादी सरकार के जनहित कार्यों की प्रशंसा की और अखिलेश यादव के स्वास्थ्य एवं सफलता की कामना की। प्रतिनिधियों ने उन्हें ईराक यात्रा का औपचारिक निमंत्रण भी दिया।

उपमुख्यमंत्री ने किया शेल्टर होम का निरीक्षण, खिलाए लड्डू

लखनऊ, (संवाददाता)। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने बृहस्पतिवार रात करीब आठ बजे जियामऊ स्थित शेल्टर होम का औचक निरीक्षण किया। यहां ठहरे लोगों से बात की और अपने हाथों से लड्डू भी खिलाए। कुछ बीमार भी वहां पर ठहरे थे, जिनकी जांच के लिए उन्होंने सिविल अस्पताल से डॉक्टरों की टीम भी मौके पर बुलाई। उप मुख्यमंत्री ने शेल्टर होम में खानपान से लेकर सभी तरह की व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने को कहा। वह भूतल और प्रथम तल दोनों पर गए और वहां ठहरे लोगों से बात की। नगर निगम के मुख्य अभियंता महेश वर्मा को निर्देश दिए कि शेल्टर होम में बिस्तर साफ रहें, पानी की व्यवस्था सही रहे, गर्म पानी का भी इंतजाम रहे। यदि कोई बीमार हो तो उसके इलाज का भी ध्यान रखा जाए।

चौयरमेन ने असलहा का लाइसेंस लेने के लिए पैसा देकर खुद घर पर चलवाई थी गोलिया , तीन आरोपी गिरफ्तार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । पुलिस लाइन में शनिवार को एसपी सिटी आयुष श्रीवास्तव ने 10 महीने पहले मछलीशहर के चौयेरमेंन संजय जायसवाल पर जानलेवा हमले का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को मछलीशहर क्षेत्र के जंघई के कोटिया पुलिया के पास से गिरफ्तार करके जेल भेजा। एसपी सिटी आयुष श्रीवास्तव ने बताया कि पिछले कुछ दिन पहले हमने चोरी की 10 बाइको का खुलासा किया था। उसके बाद हमारी टीम काम पर लगी हुई थी। शुक्रवार को सुचना मिली थी कि कुछ अपराधी चोरी की बाइक लेकर मछलीशहर क्षेत्र के जंघई से गुजर रहे है।मछलीशहर पुलिस और गामा टीम पहुची जहा मौके से चार लोगो को गिरफ्तार किया गया है जिसमें एक बाल अपचारी और तीन व्यक्ति है।उनके पास से चोरी की दो

बाइके और एक पिस्टल हिमांशु मिश्रा से बरामद किया गया है। पूछताछ में पता चला कि 23 फरवरी 2025 को मछलीशहर के नगर पंचायत के चौयरमैन के आवास पर गोली चली थी। इन्ही में से हिमांशु मिश्रा व निर्देश सिंह के दवारा फायरिंग की घटना को अंजाम दिया गया था। निर्देश सिंह ने बताया कि बड़े भाई नमन सिंह उस समय जेल में थे मछलीशहर नगर पंचायत के चेयरमेंन ने नमन सिंह से कहकर खुद घर पर गोली चलवाई थी। जिसके बदले में उन्हें एक लाख रुपये देने की बात थी।नमन सिंह के आदेश पर निर्देश सिंह ने हिमांशु मिश्रा से मिलकर चौयरमेंन के दवारा प्लान करके घर तीन गोलिया चलवाई गयी। इस मामले की पूरी जाँच की जाएगी कि इस मामले में क्या चेयरमेंन ने नमन सिंह से गोली चलवाने की बात कही थी।जब निर्देश सिंह अपने भाई नमन सिंह से मिलने जेल में गया था तो नमन सिंह ने कहा था कि अपने दोस्तों से मिलकर इनके घर पर गोली चलवाओ तुमको एक लाख रूपये मिलेगे। निर्देश सिंह ने बताया कि चेयरमेंन और उनके भाई का झगड़ा चल रहा था जिसको लेकर चौयेरमेंने चाहते थे कि उनको सुरक्षा मिल जाये या आर्म लाईसेन्स मिल जाये। अब आगे चेयरमेंन से पूछताछ होगी अगर इसमें सत्यता पाई जाती है तो चौयेरमेंन के खिलाफ 120बी का मुकदमा दर्ज किया जायेगा। इन तीन आरोपियों का पहले ही अपराधिक इतिहास है निर्देश सिंह के उपर तीन मुकदमें , हिमांशु मिश्रा पर पांच मुकदमा ,कुशल मिश्र पर दो मुकदमे पहले दर्ज है। पकडे गये अभियुक्तों में निर्देश सिह पुत्र मुन्ना सिह निवासी पहसना थाना सिकरारा जौनपुर उम्र करीब 24 वर्ष 02. हिमांशू मिश्रा पुत्र प्रमोद मिश्रा निवासी अरूआवा थाना सिकरारा जनपद जौनपुर उम्र 23 वर्ष 03. कुशल मिश्रा पुत्र संजय मिश्रा निवासी संदहा थाना सरायख्वाजा जनपद जौनपुर 04. बाल अपचारी रुद्र प्रताप यादव पुत्र गुलाब चन्द्र यादव निवासी बहाउद्दीनपुर थाना सरायख्वाजा जनपद जौनपुर उम्र 16 वर्ष को गिरफ्तार किया गया है।

सीओ सिटी ने महिला एसओ व प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर के साथ दिशा कोचिंग सेंटर पर छात्राओं को किया सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

(राजन तिवारी संवाददाता अयोध्या धाम)

अयोध्या। शनिवार को कोतवाली नगर क्षेत्र के नाका स्थित दिशा कोचिंग सेंटर पर मे सीओ सिटी श्रेयश त्रिपाठी ने महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला तथा प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर अश्वनी पांडे के साथ षमिशन शक्ति फेज 5.0′ अभियान के तहत परिसर मे आई छात्राओं को सुरक्षा संबंधित जानकारी दिया।इस मौके पर उन्होंने छात्राओं, को पंपलेट, पोस्टर के माध्यम से जागरूक करते हुए कहा कि मुसीबत के समय आप घबराये नहीं बल्कि छेडछाड करने वाले अराजक तत्वों सें निपटे और समय रहते इसकी सूचना महिला सहायता केंद्र व स्थानीय पुलिस थानो व पुलिस चौकी पर दे।इसके अलावा उन्होंने शासन द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं जैसे विधवा पेंशन, वृद्धा

पेंशन एवं सुकन्या योजना और हेल्पलाइन नंबर के बारे में बालिकाओं ध्महिलाओं को पंपलेट व पोस्ट के माध्यम से परीक्षा जागरूक किया गया और महिला अपराध संबंधित अपराध के बारे मे बताया।वही विमेन पावर लाइन 1090, यूपी 112, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, चाइल्ड लाइन 1098, साइबर अपराध 1930 के महत्व के बारे बताया।इस मौके पर उप निरीक्षक सोनी, श्वेता राठौर, प्रिया, चेतना सहित महिला आरक्षी लक्ष्मी प्रजापति, जय श्री सहित अन्य महिला पुलिस कर्मी मौजूद रही।

संक्षिप्त खबरें

रामलीला मैदान में विराट गीता रजत जयंती समारोह आज

गोण्डा। सनातन धर्म की लब्ध प्रतिष्ठ वैचारिक संस्था गीता गोष्ठी के तत्वावधान में गीता जयंती के उपलक्ष्य में रजत जयंती समारोह रविवार 14 दिसम्बर को प्रातः 09 बजे से मालवीय नगर स्थित रामलीला मैदान में आयोजित किया जा रहा है। आयोजन स्थल रामलीला मैदान परिसर में सप्ताह भर से चल रही आज सज्जा सहित सभी तैयारियां पूरी कर ली गई। प्रशासन की ओर से आयोजन स्थल व कलश यात्रा की सुरक्षा व्यवस्था की गई है। गीता गोष्ठी के संस्थापक सदस्य इं. सुरेश दूबे ने कहा कि गीता गोष्ठी की स्थापना 17 दिसंबर 2000 से प्रारम्भ हुई थी। इस वर्ष संस्था के पचीस वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में विराट रजत जयंती समारोह का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन के अन्तर्गत प्रातः नौ बजे यज्ञ हवन व दस बजे गीता ज्ञान प्रसार यात्रा एवं ग्यारह बजे से प्रवचन व्याख्यान कार्यक्रम है। समारोह में देश के विख्यात राष्ट्रवादी विचारक व प्रखर वक्ता व सनातन धर्म के संस्थापक डा. गौतम खट्टर मुख्य आकर्षण होंगे। इसके अतिरिक्त जूना अखाड़ा रुड़की के महामंडलेश्वर यतींद्रानंद जी महाराज हरिद्वार से स्वामी परमानन्द जी महाराज व वाराणसी से राजर्षि गांगेय हंस व राष्ट्रवादी वक्ता महिम तिवारी जी गीता के महात्मय एवं वर्तमान परिप्रेक्ष्य में सनातन धर्म की चुनौती पर विचार व्यक्त करेंगे। समारोह में शास्त्रीय गायिका किरन पांडेय के निर्देशन में भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी।

महिला एसओ आशा शुक्ला ने पैदल गस्त कर बिना कागजात के पाये गये वाहन चालकों पर कसा शिकंजा

(राजन तिवारी संवाददाता अयोध्या धाम)

अयोध्या।रविवार को शहर के विभिन्न चौराहों व मार्गो शहर के महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला ने अपनी टीम के साथ पैदल गस्त कर वाहन चेकिंग अभियान चलाया। इस मौके पर उन्होंने अपने कार्यालय से चौक घंटाघर तक तथा फतेहगंज रोड पर पैदल गस्त किया। इस मौके पर उन्होंने अखबार का अतिक्रमण किए हुए अतिक्रमणकारियों पर शिकंजा कसा और संबंधित दुकानदारों को चेतावनी देते हुए कहा कि दोबारा मार्ग पर अवैध रूप से गाड़ियां ना खड़ी हो।इस मौके पर उन्होंने अपनी टीम के साथ संदीप अवस्था में दिखाई दिए वाहनों का चेकिंग अभियान भी चलाया।जहां पर कुछ वाहन चालक बिना कागजात के पाए गए।खासकर उन वाहन चालकों को उन्होंने समझाया कि हेलमेट लगाकर ही वाहन चलाएं नहीं तो बिना हेलमेट लगाये।उन्होंने कहा कि आप पुलिस के डर से हेलमेट न लगाकर अपनी सुरक्षा के लिए हेलमेट लगाए क्योंकि पुलिस सिर्फ आपसे जुर्माना वसूल सकती है।लेकिन अगर आपके साथ कोई अनहोनी होती है तो आपके साथ–साथ आपका परिवार भी संकट में पड़ेगा इसलिए आप पुलिस के डर न बल्कि अपनी सुरक्षा को लेकर हेलमेट लगाए। सभी वाहन चालकों तथा दुकानदारों से अपील किया कि वे सभी यातायात नियमों का पालन करें।इस दौरान उप निरीक्षक संजीव मिश्रा, उप निरीक्षक सोनी, उप निरीक्षक चेतना, प्रिया,श्वेता सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रही

महिला एसओ आशा शुक्ला ने पैदल गस्त कर बिना कागजात के पाये गये वाहन चालकों पर कसा शिकंजा

(राजन तिवारी संवाददाता अयोध्या धाम)

अयोध्या।शनिवार को शहर के विभिन्न चौराहों व मार्गो शहर के महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला ने अपनी टीम के साथ पैदल गस्त कर वाहन चेकिंग अभियान चलाया। इस मौके पर उन्होंने अपने कार्यालय से चौक घंटाघर तक तथा फतेहगंज रोड पर पैदल गस्त किया। इस मौके पर उन्होंने अखबार का अतिक्रमण किए हुए अतिक्रमणकारियों पर

शिकंजा कसा और संबंधित दुकानदारों को चेतावनी देते हुए कहा कि दोबारा मार्ग पर अवैध रूप से गाड़ियां ना खड़ी हो।इस मौके पर उन्होंने अपनी टीम के साथ संदीप अवस्था में दिखाई दिए वाहनों का चेकिंग अभियान भी चलाया।जहां पर कुछ वाहन चालक बिना कागजात के पाए गए।खासकर उन वाहन चालकों को उन्होंने समझाया कि हेलमेट लगाकर ही वाहन चलाएं नहीं तो बिना हेलमेट लगाये।उन्होंने कहा कि आप पुलिस के डर से हेलमेट न लगाकर अपनी सुरक्षा के लिए हेलमेट लगाए क्योंकि पुलिस सिर्फ आपसे जुर्माना वसूल सकती है।लेकिन अगर आपके साथ कोई अनहोनी होती है तो आपके साथ–साथ आपका परिवार भी संकट में पड़ेगा इसलिए आप पुलिस के डर न बल्कि अपनी सुरक्षा को लेकर हेलमेट लगाए। सभी वाहन चालकों तथा दुकानदारों से अपील किया कि वे सभी यातायात नियमों का पालन करें।इस दौरान उप निरीक्षक संजीव मिश्रा, उप निरीक्षक सोनी, उप निरीक्षक चेतना, प्रिया,श्वेता सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रही

पल्स पोलियो जन जागरूकता की निकली रैली

(राजन तिवारी संवाददाता अयोध्या धाम)

अयोध्या। कंपोजिट विद्यालय फिरोजपुर से ग्रामीण इलाकों में पल्स पोलियो जन जागरूकता रैली निकल गई।14 दिसंबर रविवार को पैदाइशी से 5 साल तक के सभी बच्चों को दो बूंद जिंदगी की खुराक पिलाई जाएगी रैली का उद्घाटन अधीक्षक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मसौधा डॉ प्रदीप कुमार और कंपोजिट विद्यालय की सहायक अध्यापिका संगीता सिंह संयुक्त रूप से फीता काटकर रैली का उद्घाटन किया गया।रैली का संचालन स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी राजीव प्रकाश चतुर्वेदी और ब्लॉक मोबिलाइजर कोऑर्डिनेटर यूनिसेफ मसौधा द्वारा किया गया।बच्चों द्वारा बहुत ही उत्प्रेरक नारे लगाए गए जिनमें प्रमुख रूप से दो बूंद जिंदगी की।एक भी बच्चा छूटा सुरक्षा चक्र टूटा. वन टू थ्री. पोलियो फ्री पोलियो रविवार 14 दिसंबर 2025. उत्प्रेरक नारे का परिकल्पना सहायक अध्यापिका स्मृति पाण्डेय और गुलशन यादव द्वारा किया गया।सहायक शोध अधिकारी वंदना सिंह भारती द्वारा बताया गया।15 दिसंबर 2025 से 19 दिसंबर 2025 तक घर–घर टीम में छूटे हुए बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाएगी 22 तारीख को उन बच्चों के लिए भी टीम घर–घर जाएगी जो किसी वजह से इन तारीखों में खुराक पीने से छूट रहे होंगे।ब्लॉक कम्युनिटी प्रक्रिया मैनेजर अर्चना सिंह द्वारा बताया गया की मोबाइल टीम द्वारा ईंट भट्टे. और निर्माणधीन भवनो में कार्य करने वाले मजदूरों के बच्चों को खुराक पिलाई जाएगी।इस अवसर पर सहायक अध्यापिका संतोष वर्मा पूनम सिंह शशि पांडे. सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से कंसलटेंट सत्यबोध आशीष वर्मा शिव ओम पांडे रवि चौबे अपना अपना योगदान प्रदान किया।

दो दिवसीय खेल महाकुंभ का हुआ शुभारंभ,कबड्डी, बैडमिंटन व मैराथन का होगा आयोजन

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।अभिनव भारत न्यास एवं उत्तर प्रदेश कबड्डी एसोसिएशन के तत्त्वाधान में दो दिवसीय अभिनव भारत खेल महाकुंभ का आयोजन शनिवार को आचार्य नरेंद्रदेव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कुमारगंज के श्री अटल बिहारी बाजपेयी स्टेडियम में किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि केंद्रीय जलशक्ति राज्यमंत्री भारत सरकार राज भूषण चौधरी, कृषि मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार सूर्य प्रताप शाही व अध्यक्ष यूपी कबड्डी एसोसिएशन उत्तर प्रदेश विकास सिंह ने भारत माता व विवेकानंद जी के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अभिनव भारत न्यास के प्रबंधक सूर्य नारायण सिंह ने की।प्रतियोगिता में प्रदेश की 13 जनपदों की पुरूष वर्ग की टीमें व 12 जनपदों की महिला वर्ग की टीमों द्वारा प्रतिभाग किया जा रहा है।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि राज भूषण चौधरी ने कहा कि पहले भारत को हर क्षेत्र में सोने की चिड़िया कहा जाता था, माननीय प्रधानमंत्री जी के कुशल नेतृत्व में देश एक दिन खेल के मैदान में सोने का शेर बनकर दहाड़ेगा। कृषि मंत्री केंद्र व राज्य की भाजपानीत सरकारों द्वारा खेल के क्षेत्र में किए जाने वाले सुधारों और सुविधाओं का उल्लेख करते हुए कहा प्रतिभागियों को देश के सर्वतोमुखी विकास के लिए खेलकूद के क्षेत्र में भी उपलब्धियां बटोरनी होंगी।प्रांत संगठन मंत्री विश्व हिंदू परिषद अवध प्रांत विजय प्रताप ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज खेलो इंडिया अभियान के अंतर्गत खेलकूद के बारे में युवाओं की सोच बदली है,आज खेल का महत्व पढ़ाई लिखाई से कम नहीं है।कृषि विश्वविद्यालय

कुमारगंज के कुलपति डॉ बिजेंद्र सिंह ने अपने परिसर की क्रीड़ा सुविधाओं का जिक्र करते हुए कहा कि खिलाड़ी कभी असफल नही होता, वह या तो जीतता है, या फिर सीखता है।कार्यक्रम का उद्घाटन मैच कबड्डी के पुरूष वर्ग में कोर्ट नम्बर 1 पर आजमगढ़ व महाराज गंज,2 पर अयोध्या व कुशीनगर तथा महिला वर्ग में लखनऊ व अयोध्या के बीच खेला गया।जिसमें आजमगढ़ ने महाराज को 30–19,अयोध्या ने कुशीनगर को 50–20 व लखनऊ ने अयोध्या की टीम को 37–22 से पराजित किया।कार्यक्रम में द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित पूर्व कबड्डी कोच बलवान सिंह ने खिलाड़ियों को अपना पाथेय प्रदान करते हुए खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव सिंह, अभय सिंह , विजय कुमार उपाध्याय,रामतेज यादव, सुधीर कुमार सिंह,पवन कुमार सिंह,राजेश सिंह,शम्भू सिंह, इंद्रेश सिंह ,विनोद कुमार पाण्डेय,कृष्णभान सिंह,चंचल उपाध्याय सहित खेल प्रेमी मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

मून चिल्ड्रेन विद्यालय में वार्षिक उत्सव धूमधाम से संपन्न

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। नगर के बड़ी मस्जिद स्थित मून चिल्ड्रेन विद्यालय में वार्षिक उत्सव का कार्यक्रम बड़े ही हर्षोल्लास एवं धूमधाम के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर में बच्चों द्वारा आकर्षक विज्ञान प्रदर्शनी लगाई गई, जिसने सभी का ध्यान आकर्षित किया। विज्ञान

प्रदर्शनी में छात्र मोहम्मद जफर द्वारा निर्मित मिसाइल मॉडल विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। इस अवसर पर मोहम्मद जफर ने कहा कि वह पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की सोच और सपनों से प्रेरित होकर वैज्ञानिक बनने का प्रयास करेंगे। कार्यक्रम में बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। नृत्य, गीत एवं विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। मंचीय कार्यक्रमों में बच्चों की अलग–अलग वेशभूषा एवं प्रस्तुत शैली ने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। विद्यालय के प्रधानाचार्य ने बताया कि वार्षिक उत्सव का आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए किया गया, ताकि बच्चों में आत्मविश्वास, रचनात्मकता एवं प्रतिभा को निखारा जा सके। कार्यक्रम में बच्चों के साथ–साथ बड़ी संख्या में अभिभावक एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे, जिन्होंने बच्चों के प्रदर्शन की सराहना की।

जौनपुर में घना कोहरा, विजिबिलिटी शून्य

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में में कड़ाके की ठंड और घने कोहरे का प्रकोप जारी है। शनिवार को जिले का तापमान 11 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि कल यह 14 डिग्री था। घने कोहरे के कारण विजिबिलिटी शून्य हो गई है, जिससे जनजीवन प्रभावित हुआ है। जौनपुर जिलें का वायु गुणवत्ता सूचकांक (।फप्) 288 पहुंच गया है। 3 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही हवाओं और तापमान में लगातार गिरावट के कारण घना कोहरा कम होने का नाम नहीं ले रहा है। देर रात से ही जिले में घना कोहरा छाया हुआ है, जिससे वाहन चालकों को लाइटों का सहारा लेकर आवागमन करना पड़ रहा है। स्कूली बच्चे भी इस घने कोहरे में कोचिंग और विद्यालय पैदल जाते हुए दिखाई दे रहे हैं। लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है, खासकर सांस के मरीजों को सबसे अधिक परेशानी हो रही है। घने कोहरे के कारण वाहनों की गति 50 किलोमीटर प्रति घंटे से घटकर 5–10 किलोमीटर प्रति घंटे रह गई है। लोग सावधानीपूर्वक यात्रा करने को मजबूर हैं। अत्यधिक कोहरे के कारण कई ट्रेनें दो से तीन घंटे की देरी से चल रही हैं, और रोडवेज बस सेवाएं भी प्रभावित हुई हैं। मौसम विभाग ने भी घने कोहरे के मद्देनजर लोगों को सचेत रहने के निर्देश जारी किए हैं। एडवाइजरी में कहा गया है कि लोग आवागमन के लिए लाइटों का सहारा लें, वाहनों में फॉग लाइट लगवाएं और निर्धारित गति से कम रफ्तार पर वाहन चलाएं ताकि किसी भी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके।

नगर निगम भवन पर अर्बन कल्चरल सेंटर का निर्माण शुरु,11.02 करोड़ की लागत से तैयार होगा अत्याधुनिक अयोध्या अर्बन कल्चरल सेंटर

(राजन तिवारी संवाददाता अयोध्या धाम)

अयोध्या।रामनगरी अयोध्या के विकास को नई गति प्रदान करने वाली एक महत्वपूर्ण परियोजना का शुभारंभ हो गया है।सिविल लाइंस नगर निगम कार्यालय के भवन को आधुनिक अयोध्या अर्बन कल्चरल सेंटर में तब्दील करने का निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दूरदर्शी सोच और नेतृत्व में यह परियोजना तेजी से आगे बढ़ रही है, जो अयोध्या को सांस्कृतिक और पर्यटन के वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक और कदम है।यह परियोजना नगर विकास तथा नगरीय रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन विभाग के तहत संचालित हो रही है। परियोजना की कुल लागत 11.02 करोड़ रुपये निर्धारित की गई है। पुराने नगर निगम भवन, जो वर्षों से प्रशासनिक कार्यों के लिए उपयोग में था, अब एक आधुनिक सांस्कृतिक केंद्र का रूप लेगा। इससे न केवल पुरानी इमारत को नया जीवन मिलेगा, बल्कि अयोध्या की सांस्कृतिक धरोहर को बढ़ावा मिलेगा और पर्यटकों को आकर्षित करने में मदद मिलेगी। नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार ने बताया कि प्रदेश सरकार की योजनाओं पर प्रमुखता से कार्य कराया जा रहा है। अर्बन कल्चरल सेंटर पर्यटकों के लिए एक नायाब तोहफा रहेगा। आने वाले दिनों में नगर निगम मुख्यालय सिविल लाइंस स्थित नवनिर्मित भवन में संचालित होगा।अर्बन कल्चरल सेंटर में कई आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी, जो इसे आकर्षण का प्रमुख केंद्र बनाएंगी। इनमें ओपन एयर थियेटर शामिल है, जहां सांस्कृतिक कार्यक्रम, नाटक और रामलीला जैसे आयोजन किए जा सकेंगे। पर्याप्त पार्किंग की व्यवस्था होगी, ताकि आने वाले पर्यटकों को कोई असुविधा न हो। लैंडस्केपिंग से पूरा परिसर हरा–भरा और सुंदर बनेगा, जिसमें कांस्य मूर्तियां स्थापित की जाएंगी, जो अयोध्या की ऐतिहासिक और पौराणिक महत्व को दर्शाएंगी। पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाया जाएगा, जो जल संचयन में सहायक होगा। ड्रिप इरिगेशन प्रणाली से पौधों की सिंचाई होगी, जिससे जल की बचत होगी। वेंडर जोन बनाया जाएगा, जहां स्थानीय कारीगर और विक्रेता अपनी उत्पाद बेच सकेंगे, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा। सबसे खास आकर्षण होगा लाइट एंड साउंड शो, जो रामायण कथा और अयोध्या के इतिहास को जीवंत रूप में प्रस्तुत करेगा। ये सभी सुविधाएं सेंटर को न केवल सांस्कृतिक बल्कि पर्यटन की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण बनाएंगी।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार अयोध्या को विश्व स्तरीय शहर बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है। राम मंदिर निर्माण के बाद अब सांस्कृतिक और बुनियादी ढांचे के विकास पर जोर दिया जा रहा है। यह अर्बन कल्चरल सेंटर उसी कड़ी का हिस्सा है, जो अयोध्या को आध्यात्मिक के साथ–साथ सांस्कृतिक राजधानी बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। पर्यटकों की बढ़ती संख्या को देखते हुए ऐसे केंद्रों की जरूरत लंबे समय से महसूस की जा रही थी। यह परियोजना न केवल पुरानी संरचना का पुनरुद्धार करेगी, बल्कि युवाओं और कलाकारों के लिए एक मंच प्रदान करेगी। यहां सांस्कृतिक कार्यक्रमों, प्रदर्शनियों और कार्यशालाओं का आयोजन होगा, जो स्थानीय कला और संस्कृति को प्रोत्साहन देगा।कुल मिलाकर यह परियोजना अयोध्या के सर्वांगीण विकास का प्रतीक है। अगस्त 2026 तक पूरा होने वाले इस सेंटर से रामनगरी की सुंदरता और आकर्षण में कई गुना वृद्धि होगी। श्रद्धालु और पर्यटक यहां आकर न केवल आध्यात्मिक शांति प्राप्त करेंगे, बल्कि सांस्कृतिक अनुभव भी ले सकेंगे। योगी सरकार की यह पहल अयोध्या को नई ऊंचाइयों पर ले जाने वाली साबित होगी।सीएनडीएस (कंस्ट्रक्शन एंड डिजाइन सर्विसेज) के परियोजना प्रबंधक देवव्रत पवार ने बताया कि निर्माण कार्य आरंभ कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि अगले वर्ष अगस्त माह तक इस परियोजना को पूर्ण कर लिया जाए। कार्य गुणवत्ता और समयबद्धता के साथ किया जा रहा है। यह सेंटर अयोध्या की बढ़ती पर्यटक संख्या को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है, जहां राम मंदिर के दर्शन के बाद श्रद्धालु सांस्कृतिक गतिविधियों का आनंद ले सकेंगे।

सीओ सदर सहित सभी सीओ अपने अपने सर्किल क्षेत्रों में संबंधित थाना प्रभारियों के साथ किया पैदल गस्त

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।जिले में अपराध नियंत्रण पर काबू पाने के लिए

एसएसपी डॉक्टर डॉक्टर गौरव ग्रोवर के निर्देश पर एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी तथा एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी की देखरेख में सभी सीओ अपने अपने क्षेत्र में संबंधित प्रभारी निरीक्षकों ध्थानाध्यक्ष के साथ पैदल गस्त कर लोगों को सुरक्षा के प्रति एहसास कराया।पैदल ग्रस्त करने वालों में सीओ सिटी श्रेयश त्रिपाठी, को अयोध्या आशुतोष त्रिपाठी, सीओ सदर अरविंद सोनकर, कॉप बीकापुर पीयूष,सीओ मिल्कीपुर राकेश कुमार, सीओ रुदौली आशीष निगम के अलावा महिला थाना अध्यक्ष आशा शुक्ला ने प्रमुख चौराहा,मार्गो तथा गलियों में पैदल गस्त किया।पैदल गस्त के दौरान इन पुलिस अधिकारियों ने खासकर हाईवे पर आने जाने वाले भारी वाहनों जिसमें ट्रैक्टर ट्राली ट्रक डीसीएम के अलावा ऐसे वाहन जिस पर रिफ्लेक्टर तथा फोग लाइट नहीं लगी हुई थी उन्हें चेतावनी भरे शब्दों में कहा कि आने वाले दिनों में शीत लहरी तथा कोहरे को देखते हुए सभी लोग इसका प्रयोग करें क्योंकि अधिकतर दुर्घटना से गुजरने वाले ओवरलोडिंग वाहनों तथा सामने से आ रहे वाहनों की दिखाई ना पढ़ने के चलते हो रही है।इसके अलावा इन पुलिस अधिकारियों ने पैदल ग्रस्त करते हुए स्थानीय लोगों से अपील किया कि वे सभी संदिग्ध रूप में दिखाई देने वाले लोगों के बारे में बेहिचक स्थानीय पुलिस थानों तथा पुलिस चौकिया पर जाकर कह सकते हैं जिससे कि समय रहते किसी भी अप्रिय घटना को होने से रोका जा सके। इस मौके पर इन पुलिस अधिकारियों ने वाहन चेकिंग अभियान भी चलाया और यातायात नियमों की अनदेखी करने वाले कई वाहन चालकों के खिलाफ कार्यवाही भी किया।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9415034002
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।